

50 लोगों की टीम में पुणे, दिल्ली, सूरत, कानपुर सहित देश के अन्य शहरों के मेट्रो के विशेषज्ञ शामिल

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शहर के रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक चल रहे टनल बनाने के काम में 50 से ज्यादा अलग-अलग विशेष विशेषज्ञों की 50 लोगों की टीम लगी है। थाईलैंड में बनी टनल बोरिंग मशीन से चल रही अंडरग्राउंड खुदाई का काम थाईलैंड के एक्सपर्ट इंजीनियरों की निगरानी में हो रहा है। यही नहीं पुणे, दिल्ली, सूरत, कानपुर सहित देश के अन्य शहरों से मेट्रो के एक्सपर्ट भी यहां 24 घंटे मानिटरिंग कर रहे हैं। जो अपने-अपने कार्य क्षेत्र के माहिर हैं। इनमें पावर सेक्टर, मिटटी, चटटान के अलग-अलग एक्सपर्ट हैं। मशीन आपरेटर भी एक्सपर्ट टीम का हिस्सा हैं। जबकि टनल बनाने के काम में जो श्रमिक लगाए गए हैं वे विशेष रूप से टनल बनाने के काम में विशेषज्ञ हैं।

मेट्रो प्रबंधन के अनुसार इस मेगा प्रोजेक्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा और तकनीकी सटीकता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। टनलिंग के इस काम को अंजाम देने के लिए थाईलैंड से ही विशेष रूप से इंजीनियरों की टीम भोपाल आई है। विदेशी इंजीनियरों के साथ-साथ देश के बेहतरीन एक्सपर्ट कार्य कर रहे हैं।

शहर के सभी 21 जोन में 9 दिन में सर्वे पूरा, आज बैरसिया जा सकती है टीम

आदमपुर लैंडफिल साइट पहुंची सर्वेक्षण टीम, जीरो वेस्ट स्पांट का किया निरीक्षण

► सर्वेक्षण टीम को दिल्ली से दोबारा मिली पुरानी लोकेशन, जोन-14-15 के पार्कों में दोबारा पहुंचे

► देर रात दिल्ली भी वापस लौटने की उम्मीद, सर्वेक्षण का काम 30 मई तक पूरा करने का

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में बीते 9 दिन से चल रहा स्वच्छता सर्वेक्षण अब लगभग पूरा हो चुका है। केंद्रीय मूल्यांकन टीम ने सभी 21 जोन में काम पूरा कर लिया है। शुक्रवार को टीम के सदस्य आदमपुर लैंडफिल साइट पहुंचे और व्यवस्थाओं को परखा। यहां सर्वेक्षण टीम ने प्रोसेसिंग यूनिटें देखीं और कार्य प्रणाली को बारीकी से समझा। इसके अलावा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में बनाए गए जीरो वेस्ट स्पांट पर भी टीम पहुंची। वहीं नई दिल्ली से शुक्रवार को जोन-14 और 15 की पुरानी लोकेशन मिली। इस पर सदस्य दोबारा पार्क पहुंचे और फोटो लेकर पोर्टल पर अपलोड किए।

बैरसिया से शहर को अतिरिक्त अंक नहीं, हो सकती है कटौती

जानकारों के मुताबिक बैरसिया के बेहतर प्रदर्शन पर भोपाल को अतिरिक्त अंक नहीं मिलेंगे, लेकिन यदि वहां की स्थिति कमजोर पाई गई तो शहर के कुल स्कोर में कटौती हो सकती है। इसी के चलते लंबे समय से भोपाल नगर निगम लगातार बैरसिया में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए निरीक्षण, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चला रहा है। निगम आयुक्त और महापौर के अलावा निगम के कई अधिकारी लगातार बैरसिया का निरीक्षण कर रहे हैं और व्यवस्थाओं को मजबूत करने में जुटे हैं। भोपाल नगर निगम ने बैरसिया नगर पालिका को संसाधन भी मुहैया करवाए हैं।

बीएमएचआरसी में गर्भ संस्कार, विशेषज्ञों ने दी स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी सलाह

गर्भवती महिलाओं का समय पर सोनोग्राफी और ब्लड टेस्ट कराना बेहद आवश्यक: डॉ. चंद्रा



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच का और गर्भवस्थ शिशु के बेहतर विकास के लिए बेहद आवश्यक है। यह बात बीएमएचआरसी में आयोजित गर्भ संस्कार कार्यक्रम के दौरान स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. माधुरी चंद्रा ने कही। स्वास्थ्य केंद्र क्रमांक-6 में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. माधुरी चंद्रा ने 'गर्भावस्था के दौरान ध्यान रखने योग्य बातें' विषय पर जानकारी देते हुए

शिशु के जन्म तक के शुरूआती एक हजार दिन अत्यंत महत्वपूर्ण

बीएमएचआरसी की प्रमारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि गर्भ संस्कार जैसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गर्भधारण से लेकर शिशु के जन्म तक के शुरूआती एक हजार दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, जो एक स्वस्थ और संस्कारित पीढ़ी के निर्माण की नींव रखते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य नवविवाहित दम्पतियों और गर्भवती महिलाओं को शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं सकारात्मक पालन-पोषण से जुड़ी जानकारी देना है।

समय पर जांच न कराने से बढ़ता है जोखिम

कार्यक्रम में स्वास्थ्य केंद्र समन्वयक डॉ. रोमा रस्तोगी ने गर्भावस्था के दौरान परीक्षणों का महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को अपने खान-पान और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि समय पर जांच न कराने से मां और शिशु दोनों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहकर आवश्यक सावधानियां अपनाना जरूरी है।

इग्नू : जून 2026 सत्रांत परीक्षाएं 1 जून से होंगी शुरू, प्रवेश पत्र जारी

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि की जून सत्रांत परीक्षा 1 जून से 21 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी। ये परीक्षाएं स्नातक, परास्नातक, प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए आयोजित होंगी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होंगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख डॉ. उमेश चंद्र पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत 16 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है, जहाँ लगभग 6000 परीक्षार्थी इग्नू के 310 कार्यक्रमों के 1800 से अधिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि उज्जैन, नर्मदापुरम, इंदौर एवं भोपाल केंद्रीय कारागार में भी परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

सर्व-सिद्धि व विशेष नक्षत्र में रहेगा अधिक मास की पूर्णिमा व्रत

3 साल बाद विशेष नक्षत्र में कल मनाई जाएगी अधिक मास की पूर्णिमा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

तीन बाद विशेष नक्षत्र में अधिक मास की पूर्णिमा रविवार को मनाई जाएगी। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि एक माह की भीतर यह दूसरी पूर्णिमा है। मई माह की शुरुआत यानी एक मई को और अब माह के अंतिम दिन यानी 31 मई को पूर्णिमा रहेगी। सर्व-सिद्धि व विशेष नक्षत्र में अधिक मास की पूर्णिमा व्रत रहेगा। दसअसल सूर्य और चंद्र देव की गतियों के अंतर को पाटने के लिए हर तीन साल में एक बार 'अधिक मास' (मलमास या

साधना के लिए शुभ माना गया है। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इस दिन भगवान विष्णु (श्रीहरि) और धन की देवी माता लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर किया गया दान, जप, और व्रत अन्य पूर्णिमाओं की तुलना में कई गुना अधिक कल्याणकारी माना जाता है। पंच पुराण में उल्लेख मिलता है कि अधिक मास का आगमन हर तीन साल में केवल एक बार होता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, पवित्र नदियों में स्नान और दान करने का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है।

ऐसे करेंगे पूजा

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इस दिन सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्यकर्म स्नान (हो सके, तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें) आदि करने के बाद स्वच्छ या पीले रंग के वस्त्र धारण कर घर के मंदिर पर गंगाजल का छिड़काव कर वहां एक चौकी रखें, जिस पर पीला या फिर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। अब श्री हरि को फूल, फल, चंदन, अक्षत और धूप-दीप और मोग में तुलसी पत्ति जरूर शामिल करें। साथ ही 'विष्णु सहस्रनाम' या 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें।

भगवान सत्यनारायण की कथा होगी

पूर्णिमा के दिन भक्त गण उपवास रखेंगे। इस मौके पर मंदिरों व घरों में सत्यनारायण कथा का पाठ किया जाएगा। इससे घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि होती है।

यह रहेगी तिथि

ज्येष्ठ अधिक मास की पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 30 मई को सुबह 11 बजकर 57 मिनट पर होगा तथा इसका समापन 31 मई को दोपहर 2 बजकर 14 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा 31 मई रविवार को मनाई जाएगी।

माहवारी स्वच्छता दिवस 'टुगेदर फॉर ए पीरियड फ्रेंडली वर्ल्ड' मनाया

बालिकाओं को हीमोग्लोबिन का स्तर बनाए रखने नियमित रूप से खाना चाहिए आयरन की गोली

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना आवश्यक है। नैपकिन को इस्तेमाल के बाद कागज में लपेट कर ऐसे कूड़ेदान में डाला जाना चाहिए जो प्रतिदिन खाली किए जाते हैं। किशोरी बालिकाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर बनाए रखने के लिए आशा या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से आयरन की गोली का सेवन नियमित रूप से किया जाना चाहिए। यह जानकारी शुक्रवार को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर स्वास्थ्य संस्थायों में जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा ने दी। डॉ शर्मा ने मासिक धर्म से संबंधित भातिथियों को दूर करने एवं इस अवधि के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारीयां दी



सर्वस्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित परामर्श एवं जागरूकता सत्रों में किशोरियों को शारीरिक बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की एनीमिया की जांच कर आयरन फोलिक एसिड के सेवन के लाभ और सेनेटरी पैड के उपयोग और निस्तारण के बारे में जानकारी दी गई। मासिक धर्म स्वच्छता के विषय पर जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालो

राज्य शिक्षा केंद्र ने परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम किया जारी

अब 16 जून से 5वीं और 8वीं की पुनः परीक्षाएं मूल्यांकन का कार्य 24 जून से होगा आरंभ

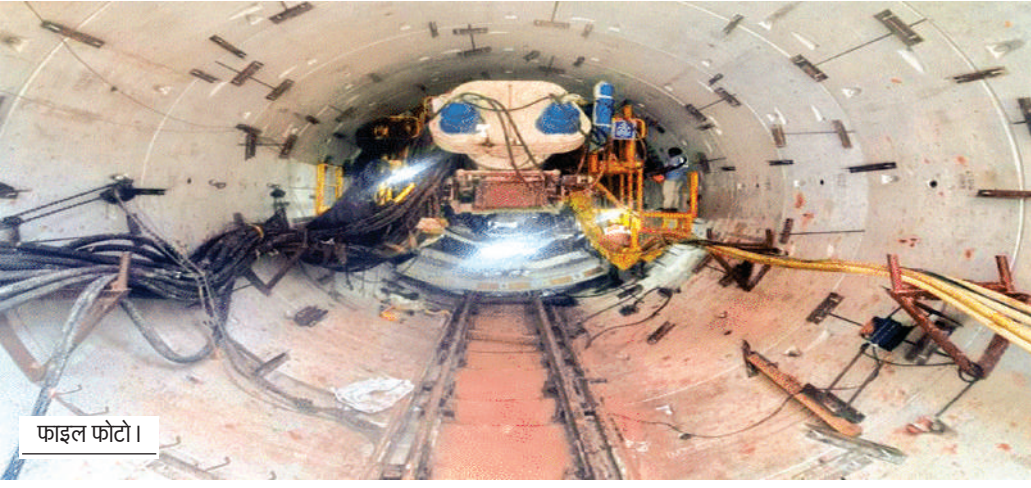
हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राज्य शिक्षा केंद्र ने पांचवी-आठवीं के पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। जिसके अनुसार अब यह परीक्षाएं 16 जून से 23 जून 2026 के बीच आयोजित होंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने द्वारा परीक्षा को लेकर नए कार्यक्रम के संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अनुसार, अपरिहार्य कारणों के चलते पुनः परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया गया है। यह आदेश

सभी जिलों के कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि परीक्षा आयोजन सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। विभाग स्तर पर परीक्षा की निगरानी को लेकर भी तैयारी की जा रही है, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था या लापरवाही की स्थिति न बने। पुनः परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य 24 जून से 28 जून 2026 के बीच पूरा कराया जाएगा। इससे परिणाम प्रक्रिया में देरी न हो, इस पर विशेष जोर दिया गया है।

सवा लाख से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल

जानकारी के अनुसार, इस परीक्षा में दोनो कक्षाओं के लगभग 1,29,483 विद्यार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस बार 5वीं और 8वीं की परीक्षा में 23,68,984 छात्र शामिल हुए थे। 5वीं और 8वीं को मिलाकर कुल 16,78,567 छात्र बामौण क्षेत्रों से थे। वहीं, शहरी छात्रों की संख्या मात्र 6,90,417 रही। पांचवीं में 12,76,404 विद्यार्थियों में से 12,14,344 विद्यार्थी पास हुए थे। वहीं आठवीं में 10,92,580 में से 10,25,157 विद्यार्थी पास हुए थे।



फाइल फोटो।

पल-पल की खुदाई पर रखी जा रही बारीक नजर

इस काम में पुणे मेट्रो, दिल्ली मेट्रो, सूरत मेट्रो और कानपुर मेट्रो के शीर्ष विशेषज्ञों की संयुक्त टीम मौके पर चौबीसों घंटे मुस्तैद है। इस विशेष टास्क फोर्स में मिट्टी के व्यवहार का अध्ययन करने वाले जॉइल एक्सपर्ट, पावर और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के डिग्राज तथा हाई-लेवल मैकेनिकल और स्ट्रक्चरल तकनीकी एक्सपर्ट शामिल हैं, जो पल-पल की खुदाई पर बारीक नजर रख रहे हैं।

24 घंटे शिफ्ट में काम कर रही है 12 सदस्यीय कोर टीम

जमीन के नीचे चल रहे इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को बिना रुके लगातार चलाने की रणनीति बनाई गई है। इसके लिए 12 प्रमुख तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की एक कोर टीम तैयार की गई है, जो चरणबद्ध तरीके से 24 घंटे लगातार काम कर रही है। थाईलैंड की यह आधुनिक मशीन मिट्टी और पत्थरों को काटते हुए आगे बढ़ रही है और साथ ही टनल की दीवारों को कांक्रीट के रिंग्स से सुरक्षित भी किया जा रहा है। इस टनल के पूरा होते ही भोपाल मेट्रो का सबसे आधुनिक और प्रतीक्षित अंडरग्राउंड नेटवर्क बनकर तैयार हो जाएगा।

अगले सप्ताह से दूसरी टनल बनाने का काम होगा शुरू

रेलवे स्टेशन से ही पुल पातरा तक दूसरी टनल बनाने के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन की असेंबलिंग का काम पूरा हो चुका है। बुस्टिंग थर्स्ट के बाद अगले सप्ताह से अंडरग्राउंड खुदाई का काम शुरू करेंगी। मेट्रो प्रशासन ने भी इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है।

मंत्री सारंग की अधिकारियों को दो टूक- कहा, प्लान के तहत काम करें

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शहर में भीषण गर्मी के बीच एक बार फिर मेट्रो निर्माण कार्य ने एक लाख से ज्यादा लोगों को मुश्किल में डाल दिया। शुक्रवार को सुबह करोंद इलाके में मेट्रो की खुदाई के दौरान कोलार की पाइप लाइन फूट गई, जिससे करोंद सहित आसपास के कई इलाकों की जलापूर्ति ठप हो गई। हालात ऐसे बन गए कि करीब एक लाख आबादी को पूरे दिन पानी नहीं मिल पाएगा। जल संकट गहराने से लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। इसकी जानकारी मिलने पर प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग दोपहर करीब 12 बजे मौके पर निरीक्षण करने पहुंचे और निर्माण एजेंसियों व अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने मौके पर

मेट्रो रूट की खुदाई के दौरान फूटी कोलार की पाइप लाइन, करीब एक लाख लोगों को नहीं मिलेगा पानी, मौके पर पहुंचे मंत्री, अफसरों को लगाई फटकार

अधिकारियों से कस- विभागों से समन्वय बनाकर ही करें खुदाई



मंत्री विश्वास सारंग ने निरीक्षण के दौरान मेट्रो और एनएचएआई के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कहा निर्माण कार्यों के दौरान इस तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने निर्माणकर्ता एजेंसियों से दो टूक कहा कि बिना प्लानिंग और अन्य विभागों के समन्वय किए खुदाई का काम नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि लगातार पाइप लाइन टूटने से आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

मौके पर पहुंचा निगम का अमला फाल्ट सुधारने में जुटा

पाइप लाइन फूटने की जानकारी मिलने पर निगम के जल कार्य विभाग का अमला तुरंत मौके पर पहुंचा और नैन लाइन से सप्लाई बंद करवाने के बाद फाल्ट को सुधारने का काम शुरू किया गया। निगम के अधिकारियों ने देर रात तक फाल्ट दुरुस्त होने की उम्मीद जताई है।

दो दिन में भी बहाल नहीं हुई आरिफ नगर क्षेत्र में पानी सप्लाई

आरिफ नगर और बैरसिया रोड क्षेत्र में 400 एमएच व्यास की डीआई लाइन क्षतिग्रस्त होने से एलआईजी, नारियलखेड़ा, पिंजोमल, चौकसे नगर, जेपी नगर, आरिफ नगर, डीआईजी चौराहा, रेशम कैंड और टीला जमालपुरा सहित कई क्षेत्रों में दो दिन बाद भी पानी सप्लाई पूरी तरह से बहाल नहीं हो सका। उक्त क्षेत्र में दो बार लाइन टूटी। हालांकि नगर निगम के टैंकरों से प्रभावित इलाकों में पानी सप्लाई की जा रही है।



डीआईजी बंगला से आरिफ नगर के बीच फूटी पाइप लाइन।

गिरिबाला, समर्थ सिंह 2 जून तक रिमांड पर, सीबीआई की दलील, कोई विरोध नहीं दिवशा शर्मा डेथ केस: जिस न्यायालय में कमी सजा सुनाई, वहीं कटघरे में खड़ी रहीं गिरिबाला

दोनों आरोपी एक ही डाइस पर खड़े रहे, दहेज हत्या के साक्ष्य तय

सुनवाई से पहले कोर्ट रूम खाली कराया गया, बंद कमरे में हुई केस की सुनवाई

गिरिबाला को पांच दिन की रिमांड तो समर्थ की रिमांड पांच दिन बढ़ाई



सीबीआई ने कोर्ट से गिरिबाला सिंह की 5 दिन की रिमांड मांगी। साथ ही समर्थ सिंह की रिमांड 5 दिन और बढ़ाने की मांग की। अभियुक्त पक्ष की ओर से कोई आपत्ति नहीं जताई गई। सीबीआई ने दलील दी कि समर्थ शुरुआत से फरार रहा, सबूतों से छेड़छाड़ और केस प्रभावित करने की आशंका है। गिरिबाला पर लगे आरोपों, प्रेमनेरी से लेकर घटना तक मां-बेटे के बीच हुई बातचीत और दहेज के आरोपों पर पूछताछ जरूरी है। कोर्ट ने दोनों को 2 जून तक रिमांड पर भेजने के निर्देश दिए। गिरिबाला पहली बार रिमांड पर गई हैं, जबकि समर्थ की रिमांड बढ़ाई गई है। दिवशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अभियुक्त पक्ष ने रिमांड का विरोध नहीं किया। एडवोकेट अंकुर शर्मा ने कहा कि सीबीआई ने कई एफआईआर दर्ज की हैं, इसलिए शुरू से जांच करनी है।

वकील और बेटा पहुंचे सीबीआई दफतर

शाम को गिरिबाला के वकील चार्ज कालोंस और बड़ा बेटा सिद्धार्थ सिंह मां और माई से मुलाकात के लिए सीबीआई दफतर पहुंचे। कुछ देर बाद वकील और सिद्धार्थ दफतर से बाहर निकले। कोर्ट में पेशी के दौरान डाइस में खड़े समर्थ और गिरिबाला सिंह हंस्ते हुए देखे गए। सुनवाई से पहले दोनों अपने वकीलों से केस पर चर्चा करते दिखे। इस दौरान समर्थ और गिरिबाला सिंह अपने कुछ वकीलों से बात भी की। इस दौरान सीबीआई ने उन्हें रोकने की। लेकिन वकीलों की संख्या देखते हुए सीबीआई के अधिकारी खुद ही शांत हो गए।

एनजीटी की सख्ती के बाद अलर्ट मोड पर प्रशासन बड़े तालाब किनारे आज से हटाए जाएंगे कब्जे, एक्शन प्लान तैयार

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल



फाइल फोटो।

शहर के बड़े तालाब किनारे से अवैध कब्जों और निर्माणों पर एक बार फिर प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम 30 मई से बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करेगी। इस बार तालाब के कैचमेंट एरिया में चिन्हित 21 अवैध निर्माणों को हटाने की तैयारी की गई है। निगम और जिला प्रशासन ने इस संयुक्त कार्रवाई के लिए एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहेगा।

एनजीटी ने निगम को कार्रवाई के लिए तीन सप्ताह की अंतिम मोहलत दी थी जो 19 मई को समाप्त हो चुकी है। मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई को होना है। सुनवाई के दौरान निगम और प्रशासन को दिव्यनूल में एटीआर पेश करनी है। इसके चलते अफसरों ने कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सेवनिया गौड़, गौरा विश्वनाथेडी और प्रेमपुरा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाइयों की जाएगी। सर्वे में चिन्हित 21 अतिक्रमणों में से तीन निर्माण वर्ष 2022 से पहले के हैं, जबकि बाकी 18 निर्माण 2022 के बाद किए गए बताए गए हैं।

92 दिन में केवल 51 छोटे कब्जे ही हट पाए

सीमांकन अभियान के दौरान जिला प्रशासन ने बड़े तालाब क्षेत्र के 347 अतिक्रमण चिन्हित किए थे, लेकिन 92 दिन बीतने के बाद भी अब तक केवल 51 छोटे अतिक्रमण ही हटाए जा सके हैं। इनमें टीटी नगर क्षेत्र के 39 और बैरागढ़ क्षेत्र के 12 अतिक्रमण शामिल हैं। 296 अतिक्रमण अब भी बचे हैं। आखिरी कार्रवाई 29 अप्रैल को की गई थी। इसके बाद बड़ी कार्रवाई नहीं की गई।

अधिकारियों के साथ आवेदक भी परेशान पासपोर्ट: 25 प्रतिशत आवेदक बदलवा रहे माता-पिता व पति-पत्नी के नाम

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भोपाल क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय सहित देशभर के विभिन्न कार्यालयों में 25 प्रतिशत ऐसे मामले पहुंच रहे हैं, जिसमें की पासपोर्ट रिन्युअल के दौरान आवेदक माता-पिता, पति व पत्नी के नाम बदलवा लेते हैं।

इस तरह के मामले के चलते जहां पासपोर्ट अधिकारियों को जहां काफी सावधानी रखनी पड़ती है तो वहीं आवेदक को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारी के अनुसार भोपाल सहित देशभर के कार्यालय में पासपोर्ट नवीनीकरण के दौरान के

सरकारी आवासों की हालत खराब, फिर अफसर बोले ‘ऊपर कौन चढ़े, नीचे का दो’, 1500 आवंटन रद्द

500 ऐसे कर्मचारी, जिन्हें 3 साल पहले मिले थे आवास



निरस्त किए गए आवासों में ज्यादातर एफ से आई टाइप के हैं। इनमें करीब 500 ऐसे कर्मचारी हैं जिन्हें तीन साल पहले आवास मिले थे, पर अब तक कब्जा नहीं लिया। जबकि 10 हजार से अधिक कर्मचारियों के आवेदन संपन्न संचालनालय में पेंडिंग हैं। अधिकारियों के मुताबिक खाली पड़े आवासों के कारण सरकार को रखरखाव पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा था। दूसरी तरफ प्रतीक्षा सूची वाले कर्मचारियों को मकान नहीं मिल रहे थे। अब निरस्त आवास नए पात्र कर्मचारियों को दिए जाएंगे।

कर्मचारियों के बहाने

2-3 मंजिल पर नहीं चाहिए

ऊपरी मंजिल में चढ़ने में दिक्कत

नीचे का मकान मिलने पर ही जाएंगे

बारिश में छत से पानी टपकता है

भगनों की मरम्मत अधूरी

खिड़की दरवाजे खराब हैं

परिया पसंद नहीं आ रहा

20 हजार से अधिक परिवारों को मिला सम्मानजनक संबल, इसके दायरे में प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्र भी दुःख की घड़ी में लोगों के लिए ‘मसीहा’ बनी ‘निःशुल्क शासकीय शव वाहन सेवा’

सचिन सिंह बैस ►►भोपाल



इन हालात में तुरंत मिलती है मदद

- शासकीय अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु होने पर।
- मैडिकल कॉलेज अस्पताल से शव को वापस निवास स्थान तक पहुंचाने के लिए।
- जिला अस्पताल से घर, श्मशान घाट अथवा कबिस्तान तक परिवहन के लिए।
- पोर्टमार्टम होने के उपरांत शव को सम्मानपूर्वक ले जाने के लिए।
- अंतिम संस्कार के लिए अस्पताल से सीधे घाट या कबिस्तान तक जाने के लिए।

सम्मानपूर्वक और पूर्णतः निःशुल्क उनके घर या अंतिम संस्कार स्थल तक पहुंचाने की सुविधा दी जा चुकी है। जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेज द्वारा 108 एम्बुलेंस और शासकीय शव वाहन सेवा के माध्यम से संचालित यह योजना एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि संकट में परिवारों के साथ खड़े रहने का एक मानवीय प्रयास है। यह सेवा मध्य प्रदेश के कोने-कोने में फैले विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में चलाई जा रही है। इसके दायरे में प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं, ताकि किसी भी गरीब को परेशान न होना पड़े।

रीवा में ज्यादा मदद

मग्न के विभिन्न जिलों में अब तक कुल 20 हजार 508 मामलों में यह निःशुल्क सेवा दी जा चुकी है। अगर प्रमुख जिलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा मदद रीवा और छिंदवाड़ा जैसे जिलों में पहुंची है।

रीवा और छिंदवाड़ा के सबसे ज्यादा परिवारों को मिला सहारा

रीवा	1,129 मामले	बैतुल	631 मामले
छिंदवाड़ा	790 मामले	छतरपुर	595 मामले
खंडवा	786 मामले	सतना	582 मामले
शहडोल	740 मामले	दमोह	572 मामले
सागर	675 मामले	विदिशा	481 मामले
शिवपुरी	642 मामले	इंदौर	426 मामले
पन्ना	635 मामले	भोपाल	391 मामले

महीने-दर-महीने बढ़ता गया मदद का कारवां

अगस्त	1,625 मामले	जनवरी	2,300 मामले
सितंबर	2,594 मामले	फरवरी	2,144 मामले
अक्टूबर	2,387 मामले	मार्च	2,211 मामले
नवंबर	2,385 मामले	अप्रैल	2,411 मामले
दिसंबर	2,451 मामले		

गोकसी का वीडियो बनाकर हिंदू संगठन को भेजा, गांव में बवाल, भारी पुलिस बल तैनात

दो पक्षों पर पुलिस ने दर्ज किया मामला, वीडियो में बच्चा कहता हुआ नजर आया कि दाउद के खेत पर काटा गया प्रतिबंधित मवेशी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव धमरों में उस समय बवाल खड़ा हो गया, जब हिंदू संगठन के लोगों ने एक व्यक्ति के खिलाफ गोकसी के गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। हिंदू संगठन का कहना है कि उनके पास एक वीडियो आया है। वायरल वीडियो में कहा गया है कि दाउद के खेत पर प्रतिबंधित मवेशी काटा गया है। पुलिस की टीम दाउद के खेत पर पहुंची और वहां से मवेशियों की खाल बरामद की है।

पुलिस ने खाल बरामद कर जांच के लिए फॉरेंसिक भेज दी है। पुलिस ने उक्त मामले में दो संदेहियों पर मामला दर्ज किया है। ईद के दिन इस तरह का मैसेज

सर्कुलेट होने से तनाव की स्थिति बन गई। लिहाजा पुलिस को गांव में बल तैनात करना पड़ा। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को ईद के दिन एक कथित वीडियो में एक किशोर कहता हुआ नजर आया कि दाउद के खेत पर प्रतिबंधित मवेशी काटा गया है। मवेशी के अवशेष बोर में डाल दिए गए। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। हिंदू संगठन ने जमकर हंगामा किया। पुलिस की टीम दाउद के खेत पर पहुंची और वहां से मवेशी की खाल बरामद कर ली। हिंदू संगठन की शिकायत पर पुलिस ने दाउद और जावेद के खिलाफ गोकसी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया।

एक दिन बाद चौकीदार की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि एक दिन बाद धमरों गांव के चौकीदार की शिकायत पर एक अन्य प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, एक महीने दाउद के परिवार का एक अन्य परिवार से विवाद हुआ था। बीच-बीच में दाउद के कारण नसीम से उसकी रजिस्ट्रेशन थी। बताया जाता है कि गोकसी का वीडियो नसीम के परिवार के किसी बच्चे ने बनाकर हिंदू संगठन को भेजा था। वीडियो में गोकसी की घटना कैद नहीं हुई है, बल्कि केवल कहा गया है कि दाउद के खेत पर प्रतिबंधित मवेशी काटा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खबर संक्षेप



महापौर मालती राय ने वार्ड-51 में किया पार्क का लोकार्पण

भोपाल। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को वार्ड-51 में नव विकसित पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने सहयोगी परिसर कालोनी में पार्क का लोकार्पण फीता काटकर किया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष बाबूलाल यादव, पूर्व सांसद आलोक संजय, पूर्व निगम परिषद अध्यक्ष डॉ.सुरजीत सिंह चौहान, स्थानीय पार्षद स्नेहलता रघुवंशी के अलावा गुंजन चौकसे सहित स्थानीय रहवासी मौजूद थे।

ऑनलाइन होगी आयुष औषधि निर्माण की लाइसेंस प्रक्रिया



भोपाल। भारत सरकार आयुष मंत्रालय के ई-औषधि पोर्टल के क्रियात्मक हेतु शुक्रवार को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुष वेद महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में प्रमुख सचिव आयुष शोभित चैन, विषय विशेषज्ञ डॉ. विजय गंग स्टेट लाइसेंस अथॉरिटी दिल्ली, प्रधानाचार्य खुशीलाल शर्मा आयुष वेद महाविद्यालय डॉ उमेश शुक्ला, स्टेट लाइसेंस अथॉरिटी मद्रा डॉ. हिमन्त सिंह डावर ने सेमिनार में बताया गया कि आयुष औषधि के निर्माण से संबंधित लाइसेंस लेने रिन्युअल करने के लिए पूर्णतः ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, ई-औषधि पोर्टल पर आधारित कार्यक्रम में 350 से अधिक मैयूफेक्चर्स मध्यप्रदेश के साथ अन्य राज्यों के प्रतिभागी ऑनलाइन तथा 250 ऑफलाइन उपस्थित रहे।

महेश बने जिला समिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य

औबेदुल्लागंज। जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल ने औबेदुल्लागंज के पूर्व ब्लॉक



अध्यक्ष महेश जैन को जिला समिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। महेश जैन की नियुक्ति पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दारबार, सूरजमल गौर, डॉ. नंदू नागर, संतोष सन, साधु गौर, जमुना राजपूत, राजेश खटोक, बसंत साहू, मौनी नागर, पंकज शर्मा, परेश नागर सहित अन्य लोगों ने बधाई दी।

थुगांक			
कल्याण:	8349		
दिन:	136	01	399
रात:	239	45	267
तारा:			
दिन:	156	27	467
रात:	479	03	57

दोस्तों ने बताया, प्रतिमा किसी को कॉल कर रही थी, लेकिन कॉल कनेक्ट नहीं हो रहा था

दोस्तों के साथ वीआईपी रोड घूमने आई युवती ने बड़े तालाब में लगाई छलांग, मौत

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

तलैया थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर शुक्रवार सुबह राजाभोज की प्रतिमा के पास से एक युवती ने बड़े तालाब में छलांग लगा दी। वह घटना के समय स्कूटर से अपनी सहेली और अन्य दोस्त के साथ वीआईपी रोड घूमने आई थी। दोस्तों ने बताया कि कुछ देर हम सभी वीआईपी रोड पर खड़े रहे फिर जाने के लिए स्कूटर पर बैठे ही थे कि उसने तालाब में छलांग लगा दी। गोताखोर जब तक उसे बाहर निकालते ही उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

थाना प्रभारी दीपक डेहरिया ने बताया कि प्रतिमा उर्फ मनीषा पिता स्व. अशोक धारू (19) एमजीएम



कॉलोनी बैरागढ़ में रहती थी। वह पढ़ाई छोड़ चुकी थी और घरेलू काम करती थी। गुरुवार सुबह वह अपनी सहेली गोताजलि और समय के साथ वीआईपी रोड पहुंची। साथ पहुंची सहेली और दोस्तों ने पुलिस को बताया कि प्रतिमा किसी को कॉल कर रही थी, लेकिन कॉल कनेक्ट नहीं हो

रहा था। इसके बाद हम लोग स्कूटर पर बैठ गए और प्रतिमा को चलने का कहा। इस पर प्रतिमा स्कूटर की तफ न आते हुए रेलिंग से नीचे पानी में कूद गई। हम लोगों ने शोर मचाया। कुछ देर बाद गोताखोर पहुंचे और उन्होंने प्रतिमा को बाहर निकाला। जब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की आशंका

पुलिस ने प्रतिमा का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस सीडीआर निकलवा रही है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि प्रतिमा एक युवक से मोबाइल पर बातचीत करती थी। लंबे समय से युवक उससे बातचीत नहीं कर रहा था। शुक्रवार सुबह भी उसने युवक को कॉल किया। बार-बार कॉल करने पर युवक ने कॉल रिसीव नहीं किया तो उसने तालाब में छलांग लगा दी। यह भी बताया जाता है कि प्रतिमा ने पूर्व में श्यामला हिल्स पुलिस थाने में मुस्लिम युवक पर लव जिहाद की शिकायत दर्ज करा चुकी है।

व्यापार महासंघ के महासचिव अरोरा की बड़ रही लोकप्रियता

औबेदुल्लागंज। व्यापार महासंघ के महासचिव प्रदीप अरोरा के जन्मदिन पर उमड़ें उनके समर्थ और शुभचिंतकों से जो प्रेम मिला उससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इधर, किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष विक्रम धाड़ी और मीडिया प्रभारी नीरज चावला की गोपनीय बैठक में भी इन दोनों नेताओं ने प्रदीप अरोरा को लोकप्रिय नेता माना और कहा कि प्रदीप अरोड़ा के नेतृत्व में व्यापार महासंघ नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। व्यापार महासंघ के उपाध्यक्ष कैलाश डब्बू नागर, व्यापार महासंघ अध्यक्ष जगदीश चन्दानी, कोषाध्यक्ष आशीष दीक्षित, देवेंद्र सिंह राजू, उपाध्यक्ष विवेक मित्तल, रतन मेघानी, राजू भाई पटेल, दिनेश सिद्धार्थ मित्तल, मनोज मेघानी, विजय जैन, श्याम मालवीय, दिलीप मित्तल, अमित राय, बल्लू अरोरा आदि लोगों ने प्रदीप अरोरा की प्रशंसा की है।



गिलास और पाउच में 20 से 30 रुपए में मिल रही शराब औबेदुल्लागंज में अवैध शराब और गांजा की हो रही बिक्री, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

अर्जुन नगर तथा भोजपुर क्राइस्ट स्कूल के आसपास कथित रूप से अवैध कच्ची शराब और गांजे की पुड़ियों की बिक्री होने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय निवासी आसाराम बिहारी (दादा) और गोलू भैया सहित अन्य लोगों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र के कई स्थानों पर खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अर्जुन नगर में कई स्थानों पर गांजा बेचा जा रहा है, जबकि कुछ जगहों पर कथित रूप से कच्ची एवं जहरीली शराब गिलास और पाउच में 20 से 30 रुपए में उपलब्ध कराई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि तामोट, गौहरगंज और दीवाटिया क्षेत्रों में भी अवैध शराब और गांजे का कारोबार संचालित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन गतिविधियों के

कारण 14 वर्ष तक के किशोर और नाबालिग बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। कुछ निवासियों ने आरोप लगाया कि जांच या छापेमारी की आशंका होने पर अवैध पदार्थों को छिपा दिया जाता है, जिससे कार्रवाई में कठिनाई आती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नशे के अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई कर युवाओं और नाबालिगों को इसकी गिरफ्त में आने से बचाया जाए।

इस संबंध में थाना प्रभारी भारत प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा सुबह और शाम लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध शराब और गांजा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वहीं आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर भद्रसेन ने बताया कि अर्जुन नगर में अवैध शराब और गांजे की बिक्री की शिकायत प्राप्त हुई है। आबकारी विभाग मामले की जांच कर रहा है और शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय के आब्जर्वर्स ने जांची मकान सूचीकरण काम की गुणवत्ता, नहीं मिली कोई भी विसंगति

भारत की जनगणना-2027 के पहले चरण में मकान सूचीकरण का काम पूरा

प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी ने काम पूरा होने पर सराहना की

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भारत की जनगणना-2027 के तहत पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का काम पूरा कर लिया गया है। शुक्रवार को भारत के महारजिस्ट्रार नई दिल्ली कार्यालय के निरीक्षण दल (आब्जर्वर्स) ने जनगणना मकान सूचीकरण कार्य की गुणवत्ता की जांच की तथा विभिन्न मकानों में स्थित मकानों के रहवासियों से जनगणना के संबंध में जानकारी व पूछे गए प्रश्नों के संबंध में चर्चा की। साथ ही प्रणकों से



व्यवहारिक तौर पर आने वाली समस्याओं के संबंध में चर्चा भी की। निरीक्षण दल को जनगणना सूचीकरण कार्य में किसी प्रकार की कोई विसंगति नहीं मिली।

जनगणना मकान सूचीकरण कार्य पूरा होने पर निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन ने मकान सूचीकरण कार्य से संलग्न सभी संबंधितों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। मकानों की गणना के कार्य की गुणवत्ता सहित विभिन्न पहलुओं की जांच भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय के

मप्र शा. शिक्षक संगठन ने स्कूल शिक्षा विभाग को लिखा मप्र

जनगणना में लगे शिक्षकों के स्वैच्छिक स्थानांतरण में लगी पाबंदी से छूट देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मप्र शासकीय शिक्षक संगठन ने जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रक्रिया में लगाई गई पाबंदी से राहत देने की मांग प्रवेश सरकार एवं स्कूल शिक्षा विभाग से की। संगठन का मानना है कि इससे लंबे समय से स्वैच्छिक स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को स्थानांतरण नीति का लाभ मिल सकेगा। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि जनगणना कार्य एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें शिक्षक सदैव पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन केवल जनगणना ड्यूटी लगाए जाने के आधार पर शिक्षकों के स्वैच्छिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना व्यवहारिक नहीं है। इससे अनेक शिक्षक वर्षों से



पारिवारिक, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक समस्याओं के बावजूद स्थानांतरण से वंचित हो रहे हैं। संगठन ने मांग की है कि जिन शिक्षकों के स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन नियमानुसार पात्र हैं तथा जिनकी उपस्थिति जनगणना कार्य को प्रभावित नहीं करती, उन्हें विशेष अनुमति प्रदान कर स्थानांतरण प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जनगणना कार्य एवं शैक्षणिक व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों।

इधर, पोर्टल पर 1 जून तक जानकारी अपलोड करने के निर्देश

स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के जनगणना ड्यूटी की जानकारी शिक्षा पोर्टल पर अपडेट करने को लेकर नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी पत्र द्वारा ऐसे लोक सेवक जिनकी ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनका स्थानांतरण परवर्ती 2027 की अवधि तक नहीं करने के निर्देश हैं। शिक्षा विभाग में स्थानांतरण प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। ऐसे में जनगणना में लगे शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जानकारी एजुकेशन पोर्टल पर जुटाई जा रही है। विभाग ने 1 जून तक ऐसे सभी शिक्षक कर्मचारियों की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए हैं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा में 150 से अधिक बच्चे ले रहे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गायत्री प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा में आयोजित प्रतिभा जागरण शिविर के तीसरे दिन योग, प्राणायाम, अच्छा ईसान बनने के सूत्र, गायत्री मंत्र एवं उसके प्रभाव तथा डफली वादन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में संचालित बाल संस्कारशाला एवं अन्य स्थानों से पधारे 150 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रतिदिन इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

बाल संस्कारशाला के संचालक अनिल कछावा ने मिशन द्वारा लोककल्याणार्थ चलाई जा रही गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। गायत्री प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी शिवनारायण सिंह राजपूत द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को राजेश पटेल, गायत्री परिवार जोन समन्वयक, मध्य प्रदेश की उपस्थिति में किया जाएगा।

प्रतिभा जागरण शिविर में बच्चों ने सीखे योग, संस्कार और कानून के पाठ



पुलिस अधिकारियों ने बताए सुरक्षा, ट्रैफिक नियम और हेलमेट पहनने के लाभ

अतिरिक्त पुलिस विभाग के जय सिंह तोमर, आर.आई. जिला भोपाल द्वारा बच्चों को ट्रैफिक नियमों, हेलमेट पहनने के लाभ, आपातकालीन स्थिति में क्या करना चाहिए तथा संविधान एवं कानून के महत्व के विषय में बहुत ही आकर्षक ढंग से जानकारी दी। इस दौरान बच्चों ने भी कई प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। पुलिस विभाग की सुबेदार सपना त्रिवेदी, मावना मारछाज जो कि डाइट माईड संस्था की प्रशिक्षक हैं, द्वारा बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की आवश्यकता, गुड एवं बैड टच तथा सुरक्षित वस्तुओं एवं रंगों की पहचान कैसे की जाती है, आदि विषयों पर बहुत ही रोचक ढंग से समझाते हुए प्रेरित किया गया।

पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों बदमाशों को दबोचा

बदमाशों ने देर रात डिलीवरी ब्वाँय से मारपीट कर मोबाइल झपटा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

12 नंबर स्टाफ के पास गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात तीन बदमाशों ने डिलीवरी ब्वाँय से मारपीट कर उसका मोबाइल झपट लिया। डिलीवरी ब्वाँय ने घटना की जानकारी रात्रि गश्त में मौजूद पुलिस को दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए तीनों बदमाशों को दबोच लिया। गिरफ्तार बदमाशों में एक बाल अपचारी हैं। जिसे किशोर न्यायालय में पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार संजू ठाकुर पिता मुन्ना सिंह ठाकुर (20) छावनी शाहपुरा ने शिकायत करते हुए

बताया कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे वह ऑर्डर लेकर बाइक से डिलीवरी देने के लिए जा रहा था। 12 नंबर स्टाफ से ई-7 की तरफ मुड़ते ही पैदल जा रहे तीन अज्ञात लड़कों ने रोक लिया और मारपीट कर झमाझट की करते हुए मोबाइल झपट लिया। पास में चल रही पुलिस की चौकियों को देखकर वह पुलिस के पास पहुंचा और सारी बात बाई। पुलिस और राहगीरों ने तीनों लड़कों को घेराबंदी कर ई-7 अरेरा कॉलोनी के पास पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आशीष कनाड़, बृजेश बानखेड़े बताया, जबकि उनके साथ एक मौजूद नाबालिग निकला।

विभाग में बड़ा फेरबदल भी

इस विवाद के बीच वन विभाग में बड़े प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सुबहज्जम शीमान के 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद एल. कृष्णमूर्ति अन्नामिरी को पीसीसीएफ विकास का प्रभार दिया गया है। वहीं अजय यादव को बांस मिशन का प्रबंध संचालक और अमित दुबे को ग्रीन इंडिया मिशन का सीईओ बनाया गया है।

क्यों अहम है यह मामला

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पहले ही व्यवस्था दे चुका है कि बिना अधिकारी को बताए एसीआर में की गई प्रतिकूल प्रविष्टि को पदेन्यति के लिए विचार नहीं किया जा सकता। अब केट ने मामला जाने से वन विभाग की पूरी एसीआर प्रक्रिया सवालों के डेरे में आ गई है। यदि केट मोहन मीना के पक्ष में फैसला देता है तो प्रदेश के सैकड़ों आईएफएस अधिकारियों की एसीआर दोबारा लिखनी पड़ सकती है। इससे आईएफएस और आईएफएस के बीच रिपोर्टिंग अथॉरिटी को लेकर चल रहा टकराव और बढ़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि एसीएस वन अशोक चववाल ने 2025 की अचल संपत्ति रिपोर्ट में लगभग 6.5 करोड़ रुपये की संपति घोषित की है। फिलहाल केट ने मामले की सुनवाई जारी है।

एसीएस अशोक वर्णवाल, एपीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव समेत कई अफसर याचिका में पक्षकार

भोपाल से पहली बार एसीआर का मामला कैट पहुंचा आईएएस एवं आईएफएस में लगातार बढ़ रहा टकराव

मीना का आरोप: बिना उनका पक्ष सुने और बिना उन्हें सूचित किए एसीआर में नकारात्मक प्रविष्टि की

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मध्य प्रदेश वन विभाग में पहली बार किसी अधिकारी की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) का विवाद केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) पहुंच गया है। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी मोहन मीना ने अपनी एसीआर में की गई प्रतिकूल

टिप्पणियों को चुनौती देते हुए कैट जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव समेत एसीआर लिखने वाले सभी वरिष्ठ अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। मोहन मीना का आरोप है कि बिना उनका पक्ष सुने और बिना उन्हें सूचित किए उनकी एसीआर में नकारात्मक प्रविष्टि कर दी गई, जो नियमों के खिलाफ है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 22 सितंबर 2000 को ही स्पष्ट कर चुका है कि अतिरिक्त प्रधान मुख्य

वन संरक्षक (एडिशनल पीसीसीएफ) स्तर तक के आईएफएस अधिकारियों की एसीआर केवल वन विभाग के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ही लिखेंगे। आईएएस अधिकारी उनकी एसीआर नहीं लिख सकते। इसके बावजूद राज्य सरकार ने जून 2024 में आदेश जारी कर कलेक्टरों को डीएफओ स्तर के वन अधिकारियों की एसीआर लिखने का अधिकार दे दिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने अवमाननापूर्ण मानते हुए रद्द कर दिया था। मोहन मीना ने इसी आधार पर कैट में चुनौती दी है।

इस संबंध में थाना प्रभारी भारत प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा सुबह और शाम लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध शराब और गांजा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वहीं आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर भद्रसेन ने बताया कि अर्जुन नगर में अवैध शराब और गांजे की बिक्री की शिकायत प्राप्त हुई है। आबकारी विभाग मामले की जांच कर रहा है और शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म, भाजपा ने दिए संकेत

भाजपा तीसरी सीट के लिए उम्मीदवार नहीं उतारेगी!

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के बाद संकेत मिले हैं कि अब पार्टी राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

इस संकेत के बाद राज्यसभा की इस सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म हो गए हैं। अब तक अटकलें लग रही थीं कि भाजपा द्वारा कांग्रेस के 6-7 विधायक तोड़ कर तीसरी सीट पर भी कब्जे की

कोशिश करेगी। इस खबर से कांग्रेस में बेचैनी थी और भाजपा में तीसरी सीट के लिए संभावित प्रत्याशी को लेकर चर्चा तेज थी। अब ऐसी चर्चाओं पर विराम लग गया। प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं।

इनमें दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। चुनाव के बाद भी यह स्थिति बरकरार रहने की संभावना है। विधानसभा में सदस्य संख्या के लिहाज से भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट ही मिल सकती है।

कांग्रेस में भी चल रहा मंथन, कमलनाथ का नाम आगे

भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा दावेदारों का पैल

खबर है कि प्रदेश भाजपा की ओर से राज्यसभा के लिए दावेदारों का पैल बनाकर केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा जा चुका है। वहां से हरी झंडी के बाद प्रत्याशी घोषित हो जाएंगे। पैल में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, नरोत्तम मिश्रा, सुरेश पचौरी, राम निवास रावत, पूर्व सांसद जीएस डामोर, महिला कोटे से पूर्व मंत्री रंजना बघेल, दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष अभय महाजन, झाबुआ के जनजातीय क्षेत्र में संघ का काम संभालने वाले महेश शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य के नाम बताए जा रहे हैं। सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनका नाम भी दावेदारों में शामिल बताया जा रहा है।

कांग्रेस में कमलनाथ, नकुल के नाम पर विचार

पटेल व अहिरवार के नाम चर्चा में कांग्रेस में अन्य कई दावेदारों पर भी विचार

कांग्रेस में एक सीट के लिए जम कर माथापच्ची चल रही है। खबर है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच गंभीर विचार-मंथन हुआ है। मध्य प्रदेश के आगामी चुनावी और राजनैतिक समीकरणों को साधने के लिए पार्टी एक बार फिर अपने सबसे अनुभवी चेहरे पर दांव लगा सकती है। कमलनाथ का राजनीतिक कद और सूबे की राजनीति पर उनकी पकड़ को देखते हुए पार्टी के भीतर उनके नाम पर सहमति बनती दिख रही है। पिछले दिनों कमलनाथ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद से उनके नाम पर मुहर लगने की खबरों को और मजबूती मिली है। कमलनाथ अभी विधायक हैं। उनके राज्यसभा जाने पर बेटे नकुलनाथ विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि भविष्य की राजनीति को देखते हुए नकुलनाथ को राज्यसभा भेजने पर भी चर्चा हुई है।

पटेल व अहिरवार के नाम चर्चा में कांग्रेस में अन्य कई दावेदारों पर भी विचार

कांग्रेस में अकेले कमलनाथ और नकुलनाथ ही दावेदार नहीं हैं। दिग्विजय सिंह राज्यसभा में न जाने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं, फिर भी समर्थक उनका नाम आगे बढ़ा रहे हैं। अन्य दावेदारों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, दलित नेता सज्जन सिंह वर्मा और प्रदीप अहिरवार शामिल हैं। हालांकि पटवारी भी कह चुके हैं कि वे राज्यसभा के लिए दावेदार नहीं हैं।

राज्यसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान पहले ही हो चुका है। आयोग की अधिसूचना के मुताबिक, 1 जून से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। 11 जून को नाम वापस की अंतिम तारीख निर्धारित की गई है। वहीं 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वॉटिंग होगी। इसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी।

खबर संक्षेप

एक लाख 10 हजार किसानों को मिला पांच रुपए में पंप कनेक्शन भोपाल। राज्य शासन द्वारा घोषित 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में किसानों को अब मात्र पांच रुपए में नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक एक लाख 10 हजार 478 कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। भोपाल रीजन के आठ जिलों के नौ हजार 305 गांवों में 85 हजार 362 कृषि पंप उपभोक्ताओं ने तथा ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के सात हजार 284 गांवों में 25 हजार 116 कृषि पंप उपभोक्ताओं ने पांच रुपए में नवीन कनेक्शन योजना का लाभ उठाया है।

संपर्क अभियान में किया 40 हजार लोगों की शिकायतों का निराकरण भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को सफलता मिली है। 14 मई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत भोपाल और ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में व्यापक स्तर पर एक हजार 422 विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 40 हजार 460 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। भोपाल रीजन में सबसे अधिक 112 शिविर भोपाल में आयोजित किए गए, जिसमें दो हजार 647 उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया गया।

आरटीओ में जल्द हो सकती है 40 कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति भोपाल। भोपाल क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में जल्द ही परिवहन विभाग करीब 40 कंप्यूटर ऑपरेटर के पदों पर आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती करेगा। इससे आरटीओ में आवेदकों के लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के पेंडिंग मामले निपटेंगे। उल्लेखनीय है कि हर साल जहां कर्मचारियों के रिटायरमेंट होने व करीब तीन साल पहले स्मार्ट चिप कंपनी का टैडर खत्म होने से कंपनी को हटा दिया था। इससे कंपनी के 50 से अधिक कर्मचारी एक साथ हट गए थे। तब से अभी तक कोई नई कंपनी को टेंडर नहीं दिया गया। ऐसे में आरटीओ में लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के काम में देरी होने से काम अटक रहे हैं।

विभाग पर भारी अधिकारी

9 निगम इंजीनियर हाईकोर्ट से लाए स्टे, एक साल बाद तबादले निरस्त

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से 11 महीने पहले 9 उपनगरों के इंदौर नगर निगम से अन्य स्थानों पर तबादले किए थे। ये सभी हाईकोर्ट इंदौर से स्टे ले आए। इसके बाद विभाग ने सभी के ट्रांसफर ऑर्डर निरस्त कर दिए हैं।

सूत्रों के मुताबिक उपनगरी राहुल खड़वंशी को नगर पालिक निगम खंडवा में प्रतिनियुक्ति पर दो वर्ष के लिए स्थानांतरित किया गया था।

कहा- जल संरक्षण हमारा सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य में देश का अग्रणी राज्य बना मप्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी नागरिक के सहयोग से पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सामाजिक, पर्यावरणीय, शैक्षणिक स्तर पर भी प्रयास

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में व्यापक सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 5,275 पानी की टंकियों को सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, 'जल संसद जल बंधन 2.0' पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उत्कृष्ट दर 91.3 फीसदी दर्ज की गई है। डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति

ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य 'अमृत सरोवरों' को कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

यह सिर्फ रिकॉर्ड उपार्जन नहीं, बल्कि कांग्रेस के दुष्प्रचार की पोल खोलता है: खंडेलवाल

मप्र में गेहूं के रिकॉर्ड उपार्जन पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों को सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था मिली। प्रदेश में निर्धारित 100 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य को पाते करते हुए 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन हुआ, जो किसानों के विश्वास और सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह केवल रिकॉर्ड उपार्जन नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा फैलाए गए भ्रम और दुष्प्रचार की भी पोल खोलता है।

नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों को सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था मिली। प्रदेश में निर्धारित 100 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य को पाते करते हुए 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन हुआ, जो किसानों के विश्वास और सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह केवल रिकॉर्ड उपार्जन नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा फैलाए गए भ्रम और दुष्प्रचार की भी पोल खोलता है।

लघु एवं सीमांत किसानों को मिला सबसे अधिक लाभ

खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस वर्ष विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए खरीदी व्यवस्था को मजबूत बनाया। प्रदेश में 13 लाख 41 हजार 266 से अधिक किसानों से व्युत्पन्न समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदा गया, जिनमें 8 लाख से अधिक सीमांत एवं लघु किसान शामिल हैं। किसानों को 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनास सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मुआता किया गया है।

किसानों से अब तक खरीदा 1.4 करोड़ मीट्रिक टन गेहूं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- मध्यप्रदेश ने गेहूं उपार्जन में बनाया नया रिकॉर्ड



काइल फोटो

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन में अपने सभी लक्ष्य हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। किसानों से अब तक रिकॉर्ड 1.4 करोड़ मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को 2585 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनास का लाभ दिया है। अब तक किसानों को गेहूं उपार्जन की 24 हजार करोड़ राशि दी जा चुकी है। डॉ. यादव ने उद्देन में शुक्रवार को वीडियो संदेश के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदने के लिए किसानों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य है। सर्वाधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्यों में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। इतना ही नहीं सर्वाधिक लंबे समय तक गेहूं खरीद की व्यवस्था लागू करने वाला एकमात्र राज्य भी मप्र है।

गोदामों तक पहुंच चुका सभी किसानों का गेहूं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटें और मध्यम श्रेणी के किसानों से पहले गेहूं खरीदा गया। यह व्यवस्था प्रदेश में पहली बार लागू की गई। छोटें किसानों से अब तक लगभग 32.72 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। इसके बाद बड़े किसानों की अपनी उपज बेचने का अवसर मिला। अब तक लगभग पैंने 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कर लिया गया है। सरकारी खरीद के लिए पंजीजन कराते वाले सभी किसानों का गेहूं गोदाम तक पहुंच चुका है। डॉ. यादव ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति के इस कठिन दौर में भी रिकॉर्ड गेहूं खरीदी की गई है।

395 आईएस को एक माह में करना होगा अप्रेजल रिपोर्ट का सेल्फ असेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मध्यप्रदेश के 395 आईएस अफसरों को वर्ष 2025-26 के लिए अपने परफारमेंस अप्रेजल रिपोर्ट का स्वमूल्यांकन 30 जून तक करना होगा। पहले यह अवधि 31 मई तक थी, राज्य सरकार ने इसमें एक माह का इजाफा कर दिया है। केंद्रीय कॉमिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के पीएआर लिखे जाने के लिए समयसीमा सभी स्तरों पर एक माह बढ़ा दी है। अब रिपोर्टिंग अधिकारी 31 अगस्त तक इस पर अपनी टिप्पणी लिखकर देंगे।

रिव्यू करने वाले उच्च अधिकारी पीएआर पर अपना मत 31 अक्टूबर तक अंकित करेंगे। समय पर पीएआर पर मत अंकित नहीं करने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। परफारमेंस अप्रेजल रिपोर्ट स्वीकार करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2026 तक रहेगी। तय समयसीमा में कार्य स्वमूल्यांकन, मर्तांकन नहीं करने पर कार्यवाही अपने आप अगले स्तर पर बढ़ जाएगी।

कार्यकर्ताओं की सुनी जनसमस्याएं, किया निराकरण मंत्री कृष्णा गौर ने किया भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद



कार्यकर्ताओं से चर्चा करती मंत्री कृष्णा गौर।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। मंत्री कृष्णा गौर ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर

उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

वाटर आईडी को प्रॉपर्टी आईडी से जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर ठेकेदार जल उपभोक्ताओं के पानी के बिल जनरेट कर समय पर वितरित करें: दिव्यांक

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) की जलप्रदाय एवं मलजल योजनाओं की एकदिवसीय समीक्षा बैठक भोपी स्थित सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंधन संस्थान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कम्पनी के अतिरिक्त प्रबंध संचालक दिव्यांक सिंह ने की। बैठक में पूर्ण हो चुकी एवं प्रगतिरत 134 परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अतिरिक्त प्रबंध संचालक सिंह ने परियोजना प्रबंधकों को निर्देशित किया कि परियोजना क्रियान्वयन में होने वाली



बैठक में चर्चा करते अधिकारी।

महत्वपूर्ण समस्याओं से समय रहते अवगत कराएं, ताकि उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने परियोजना प्रबंधकों को योजनाओं से संबंधित अनुबंधों का गहन अध्ययन करने की सलाह भी दी। उन्होंने ठेकेदारों को जल उपभोक्ताओं के पानी के बिल जनरेट कर समय पर वितरित करने के निर्देश दिए।

टीम भावना के साथ काम करने पर जोर

दिव्यांक सिंह ने टीम भावना के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रबंधन इकाई, निकाय एवं संविदाकार समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने संविदाकारों को निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने बारिश से पूर्व रोड रेस्टोरेशन के शेष कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। बैठक में परियोजनाओं की प्रगति एवं गुणवत्ता को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कांग्रेस ने इंदौर की 7 विधानसभाओं से 240 पानी के सैंपल लेकर लैब में जांच कराई

इंदौर का 90 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं, सरकार से शहर का दोबारा वाटर ऑडिट कराने की मांग

ऑडिट रिपोर्ट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंपने का ऐलान किया और सरकार से इंदौर का दोबारा वाटर ऑडिट कराने की मांग की। पटवारी ने बताया कि कांग्रेस ने इंदौर की 7 विधानसभाओं से 240 पानी के सैंपल लेकर देश की सर्वश्रेष्ठ लैब में जांच कराई। रिपोर्ट में सामने आया कि अधिकांश क्षेत्रों में नर्मदा का पेयजल दूषित और संक्रमित है।

शहर भीषण जल संकट और दूषित पेयजल से जूझ रहा: जीतू

पटवारी ने कहा कि कई जगहों पर सीवर का बूक काला पानी सप्लाई हो रहा है। जनता अपने-अपने में जहरीला पानी पीने को मजबूर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भगीरथपुरा क्षेत्र में 36 से अधिक निर्दोष नागरिक दूषित पानी पीने के कारण जान गंवा चुके हैं। इसे प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जनता के जीवन के साथ अपराध बताते हुए उन्होंने कहा कि नगर निगम और भाजपा जनप्रतिनिधियों ने समय पर पानी की गुणवत्ता जांच की जिम्मेदारी

नहीं निभाई। पटवारी ने कहा कि भाजपा का दावा था कि केंद्र, राज्य और नगर निगम में एक ही दल की सरकार होने से विकास तेज होगा और धन की कमी नहीं होगी। इंदौर ने भाजपा को 9 विधायक दिए, जिनमें नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट शामिल हैं। सांसद, महापौर और पूरी नगर निगम परिषद भी भाजपा के पास हैं। इसके बावजूद शहर भीषण जल संकट और दूषित पेयजल से जूझ रहा है।

पीथमपुर कचरा और भूजल संकट

पटवारी ने भोपाल से लाए गए जहरीले कचरे को पीथमपुर में जलाने के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जिस जगह भोपाल में कचरा रखा था, वहां का पानी पहले ही दूषित हो चुका है। कांग्रेस के विरोध के बावजूद सरकार ने कोर्ट का आदेश लेकर निर्णय थोपा। सांसद शंकर लालवाणी की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। आशंका है कि इसका असर यशवंत सागर के कैचमेंट एरिया पर भी पड़ेगा।

रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी: पटवारी ने कहा कि कांग्रेस की वाटर ऑडिट रिपोर्ट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और सांसद शंकर लालवाणी को सौंपी जाएगी। सरकार चाहें तो इसकी रवतंत्र जांच या सोशल वाटर ऑडिट करवा सकती है।

खटतार पर घेरा : पटवारी ने आरोप लगाया कि इंदौर नगर निगम पर लगातार शहटवार के गंभीर आरोप लगा रहे हैं, लेकिन किसी बड़े अधिकारी या जनप्रतिनिधि पर कार्रवाई नहीं हुई।

चिंतन

खेलों को राजनीति से दूर रखने की जरूरत

खेलों में राजनीति कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह इस हद तक बढ़ जाए कि खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए कोर्ट तक जाना पड़े तो यह किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है। हालांकि, यह स्थिति खिलाड़ियों और राजनेताओं दोनों के लिए ही खतरनाक है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ता है, वहीं राजनीति पर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में जरूरी है कि खेलों को राजनीति से दूर रखा जाए, तभी खेलों का विकास संभव हो सकेगा। देखने में आया है कि खेल जगत में पिछले कुछ वर्षों में जितनी चर्चा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की नहीं हुई, उससे कहीं अधिक विवादों, धरनों, अदालतों और राजनीतिक बयानबाजी की हुई है। ओलंपियन विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी व्यापक संकट के बीच आया है। अदालत ने जहां खिलाड़ी के अधिकारों का सम्मान किया, वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि “देश सबसे पहले” और खेल व्यवस्था की निष्पक्षता सर्वोपरि है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय खेलों का वातावरण इस हद तक विवादित क्यों हो गया कि खिलाड़ियों को अपने अधिकारों के लिए सड़क से अदालत तक लड़ाई लड़नी पड़ रही है। खेल मैदानों में अब प्रदर्शन से अधिक चर्चा संघों की राजनीति, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष की होने लगी है। विनेश फोगाट भारतीय महिला कुश्ती का बड़ा चेहरा रही हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को गौरव दिलाया है। पिछले कुछ वर्षों में उनका नाम खेल उपलब्धियों से ज्यादा विवादों के संदर्भ में सामने आया। भारतीय कुश्ती महासंघ और खिलाड़ियों के बीच टकराव, धरने-प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और फिर कानूनी लड़ाइयों ने यह दिखाया कि खेल प्रशासन में भरोसे का संकट गहराता जा रहा है। खिलाड़ी ध्यान रखें कि वे किसी विचारधारा या राजनीतिक समूह के प्रतीक न बनें और अपने खेल पर ध्यान दें। राजनेताओं की भूमिका खेलों के विकास तक सीमित रहनी चाहिए। जब खिलाड़ी राजनीतिक लाभ का माध्यम बनने लगते हैं, तब खेल का मूल उद्देश्य पीछे खूट जाता है। यह स्थिति खिलाड़ियों के लिए भी उतनी ही नुकसानदायक है, जितनी खेल संस्थाओं के लिए। हालांकि, केवल राजनेताओं को दोष देना पर्याप्त नहीं होगा। खेल संघों और प्रशासकों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। भारतीय कुश्ती महासंघ जैसे संगठनों पर समय-समय पर पारदर्शिता की कमी, पक्षपात और मनमानी के आरोप लगते रहे हैं। यदि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय होती, तो शायद विवाद अदालत तक नहीं पहुंचते। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की निगरानी का निर्देश इसी भरोसे को बहाल करने की कोशिश है। अदालत का यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि किसी एक खिलाड़ी के कारण पूरे चयन कार्यक्रम को बाधित नहीं किया जा सकता। खेलों में नियम और प्रक्रिया सभी के लिए समान होनी चाहिए। चयन का आधार केवल प्रदर्शन होना चाहिए, न कि प्रभाव, लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन। यदि खिलाड़ी लगातार विवादों और असुरक्षा के माहौल में रहेंगे, तो इसका सीधा असर देश के प्रदर्शन पर पड़ेगा। विनेश फोगाट प्रकरण से सबसे बड़ा सबक यही निकलता है कि खेलों को अदालतों और राजनीतिक मंचों से निकालकर फिर से मैदान तक लाना होगा। खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करें, किसी दल या विचारधारा का नहीं। जब खेल राजनीति से मुक्त होंगे, तभी प्रतिभा खुलकर सामने आएगी और देश को वास्तविक गौरव मिलेगा।

दिवस विशेष

हर्षवर्धन पान्डे



हिन्दी पत्रकारिता कल, आज और कल

भारतवर्ष में पत्रकारिता का अनुभव सदियों पूर्व किया जाता रहा है। किसी न किसी रूप में सनातन काल से कलम साधना की परम्परा सर्वश्रेष्ठ रही है। आज हम जो कुछ भी पढ़ते हैं, लिखते हैं, सुनते हैं, सबकुछ कलम साधना का ही प्रतिफल है। कलम न होती तो शायद संसार में ज्ञान का अस्तित्व ही न होता। 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिंदी का पहला समाचार पत्र ‘उदन्त मार्तण्ड’ का प्रकाशन हुआ था। भारत में जब आधुनिक पत्रकारिता प्रारंभ हुई, तब हमारे पूर्वजों ने इसके लिए दैवीय अधिष्ठान की खोज प्रारंभ कर दी। उनकी वह तलाश तीनों लोक में भ्रमण करने वाले और कल्याणकारी समाचारों का संचार करने वाले देवर्षि नारद पर जाकर पूरी हुई। ‘उदन्त मार्तण्ड’ के प्रकाशन के लिए संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारद जयंती 30 मई, 1826 की तिथि का ही चयन किया। देवर्षि नारद इस पत्रकारिता जगत के आदि पुरुष माने गए हैं। हिंदी पत्रकारिता की यात्रा लगभग 200 वर्ष पुरानी है। 30 मई 1826 को कलकत्ता से प्रकाशित उदन्त मार्तण्ड को हिंदी पत्रकारिता का प्रथम प्रकाशन माना जाता है। ‘उदन्त मार्तण्ड’ का शाब्दिक अर्थ है ‘उगता हुआ सूर्य’। यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था जो प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होता था। 30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस, हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली परंपरा को सहजने का अवसर है। इस तरह चलते-चलते 30 मई 1826 को हिंदी पत्रकारिता का उदय हुआ। पं. युगल किशोर शुक्ल इस समाचार पत्र के सम्पादक थे, जो सम्भवतः हिंदी पत्रकारिता के पहले सम्पादक थे। हालांकि आर्थिक कठिनाइयों के चलते 11 दिसम्बर 1827 को यह समाचार पत्र बंद हो गया था, लेकिन हिंदी पत्रकारिता ने इस दौर से धीरे-धीरे जो तेजी पकड़ी, वह अब तक अनवरत जारी है। हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को जागरूक करने, समाज को सही दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी की लड़ाई में हिंदी समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने और देशभक्ति की भावना जगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1920 से 1947 तक गांधी युग के समय में समाचार पत्रों की बाढ़ सी आ गयी। महात्मा गांधी ने कहा था कि पत्रकारिता का पहले उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना, उनमें वांछनीय उद्देश्यों को जागृत करना और सार्वजनिक दोषों को निर्भीकतापूर्वक प्रकट करना है अर्थात समाज को बदलना ही पत्रकारिता का मुख्य दायित्व है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता अपने दायित्वबोध से भावी पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित कर पाएगी। अंग्रेजों की दासता में बन्दी और अपमान झेलते भारतीयों की दुर्दशा के कारणों को पहचान भारतेंदु काल से ही शुरू हो गई थी, इसे राजनीतिक और सांस्कृतिक सरोकारों से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गहराई से जोड़ दिया। हिंदी साहित्य से जुड़े व्यक्तियों का हिंदी पत्रकारिता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे तत्कालीन अखबारों ने शिद्दत से निभाया। उस समय पत्रकारिता एक ‘मिशन’ थी लेकिन समय के साथ- साथ मिशन ‘प्रोफेशन’ में तब्दील हो गया। जैसे-जैसे सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन आता गया, पत्रकारिता भी उससे प्रभावित होती गई। अखबार अब सिर्फ खबरों को जानने का साधन नहीं रहे बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण खबरें बनाने भी लगे, क्योंकि चौबीस घंटे चैनलों पर ब्रेकिंग न्यूज चलाए जाने लगे। व्यवसायिकता और टी.आर.पी. की अंधी दौड़ ने पत्रकारिता के मूल्यों को बदल कर रख दिया। 2025–26 के आंकड़ों के अनुसार भारत में डिजिटल मीडिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें क्षेत्रीय भाषा कंटेंट खासकर हिंदी का बड़ा योगदान है। इधर हिंदी ने अंग्रेजी मीडिया के दबदबे को काफी हद तक चुनौती दी है क्योंकि इस दौर में हिंदी बाजार की भाषा बन चुकी है। मूर्धन्य संपादक शिवपूजन सहाय ने एक बार कहा था कि भारत की साधारण जनता तक पहुंचने के लिए दैनिक पत्र ही सर्वोत्तम साधन है। देश-देशांतर के समाचारों के साथ भाषा और साहित्य का संदेश भी दैनिक पत्रों द्वारा आसानी से जनता तक पहुंचा सकते हैं और पहुंचाते आए हैं। आज मीडिया कन्वर्जेंस के इस दौर में भले ही प्रसार से लेकर विज्ञापन और राजस्व परीक्षा तमाम चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, लेकिन एक बात साफ है कि समाचार पत्रों के प्रति जनता का भरोसा और विश्वसनीयता बरकरार है। तमाम चुनौतियों के बाद भी हिंदी पत्रकारिता निरंतर आगे बढ़ रही है। 200 वर्ष की हिंदी पत्रकारिता की यात्रा हमें सिखाती है कि जस्य, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व ही इसके मूल स्तंभ हैं। भविष्य में तकनीक, सनसरोकार और जवाबदेही की राह पर चलकर ही हिंदी पत्रकारिता टिकेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



व्यवस्था

कांतिलाल मांडोत



सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

तकनीकी क्रांति से बदलेगा खाद्य सुरक्षा तंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं, जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी

तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए। इससे लाभार्थियों को राशन लेने में कम परेशानी होगी और अधिकारियों के लिए निगरानी करना आसान हो जाएगा। आने वाले समय में लाभार्थियों का पूरा डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा, जिससे योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी। इस योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों को मिलने वाली आर्थिक सहायता है। अभी तक भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से अनाज को जिलों और राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को भारी खर्च उठाना पड़ता था। कई राज्यों ने इस संबंध में आर्थिक बोझ की समस्या भी उठाई



थी। अब केंद्र सरकार ने इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इससे राज्यों को राहत मिलेगी और राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई बार परिवहन व्यवस्था में देरी या संसाधनों की कमी के कारण राशन समय पर दुकानों तक नहीं पहुंच पाता था। नई व्यवस्था से वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु बनने की उम्मीद है। राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी का फैसला भी इस योजना का अहम हिस्सा है। देशभर में लाखों राशन डीलर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। लंबे समय से वे अपने कमीशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे क्योंकि बढ़ती महंगाई और संचालन खर्च के बीच पुराने कमीशन में दुकानों का संचालन कठिन हो रहा था। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी तथा ईमानदारी के साथ काम कर सकेंगे। जब किसी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और डीलरों को उचित आर्थिक सहयोग मिलता है तो

जीवन का मात्र अनुभव करें



अकसर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे।जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुःखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीबी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का खयाल रखा जाएगा। आप बस उस पिंजरे में रहिए। क्या आप ऐसा चाहते हैं? क्या इससे आपको सुख मिलेगा? नहीं।



संकलित

प्रेरणा

सटाका



करंट अफेयर

अभिनेत्री मर्लिन मुनरो के अंतिम घर पर फिर बहस

हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की महज 36 वर्ष की आयु में हुई असमय मृत्यु लंबे समय से रहस्य और चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी मौत को लेकर अनेक तरह की कथाएं और अटकलें दशकों से चर्चा में रही हैं। मुनरो अपने अंतिम घर में केवल छह महीने रही, लेकिन जिस घर में उनकी मृत्यु हुई, वह अब प्रशासकों के लिए लगभग तीर्थस्थल जैसा बन गया है। यह स्थिति वैसी ही है जैसी लॉस एंजिलिस स्थित उनके स्मारक वेस्टवुड विलेज मेमोरियल पार्क की है। इस आकर्षण घर का द्वाहहारिक असर के लिए दैनिक को मिला है। इस वर्ष घर के मौजूदा मालिकों ने ‘सिटी ऑफ लॉस एंजिलिस’ के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि 2024 में इस संपत्ति को ‘ऐतिहासिक–सांस्कृतिक स्मारक’ घोषित किए जाने से वे मकान को गिराकर वहां पुनर्विकास नहीं कर पा रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि संपत्ति के मालिकों को पहले से जानकारी थी कि यह घर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है और भविष्य में इसे विरासत स्थल का दर्जा मिल सकता है। प्रशासन के अनुसार, मुनरो की पहचान हमेशा इस घर से जुड़ी रहेगी। लेखक ने अपने हालिया शोध में यह समझने का प्रयास किया कि ‘फिफथ हेलना’ नामक यह घर मुनरो के लिए उनके जीवनकाल में क्या मायने रखता था।



सामान्य कमजोरी, संज्ञानात्मक गिरावट, दृष्टि और श्रवण की हानि और कई अन्य अपेक्षीय परिवर्तन जो मानव उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं। और मनुष्य की उम्र इतनी अधिक होने का कारण यह तथ्य हो सकता है कि हमारे पूर्वज डायनासोर के समय में विकसित हुए थे। अन्य स्तनधारियों की तुलना में मनुष्य का जीवन लंबा होता है। सभी भूमि–आधारित स्तनधारियों की तुलना में हमारा जीवनकाल सबसे लंबा है, और सभी स्तनधारियों में से केवल ह्वेल ही संभवतः हमसे अधिक जीवित रहती हैं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एकाएक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आध्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहाँ और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूँ लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सप्रमू्च सार्थक हो जाता।

 ट्रेंड्स Like Comment Share	
स्मृति पुस्तक ऑपरेशन सिट्टू पर जारी स्मृति पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से कहीं आगे बढ़कर हमारे वीर सैनिकों के व्यतिगत अनुभवों को खंगोटे हुए है और आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की झलक प्रस्तुत करती है। - राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री	
बसों में मुफ्त यात्रा 21 जून को नीट परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सहायता के लिए, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए, जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। - रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली	
संस्कृति पर गर्व मेें एक स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता हूँ, इसीलिए मुझे असम में युसुबी लानू करने का साहस मिला है। इसी विचारधारा ने हमें अपनी 5000 वर्ष की गौरवशाली संस्कृता और संस्कृति पर गर्व करेना सिखाया है। - हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम	

बेईमानी की चाशनी

भाजपा शासन ने, सुबह पुल गिरने की खबर आती है, दोघर तक रेलवे स्टेशन का रोड गिरने की खबर फैल जाती है, और शाम तक गंगा एक्सप्रेस ने टाररे सुर्खियों ने छा जाती है। भाजपा के बाराबार की कड़वी जलेबी, बेईमानी की चाशनी में डूबी हुई, अब सहज नहीं की जा सकती।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रावनी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी ► नई दिल्ली

कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को दिल्ली में डिप्टी डीके शिवकुमार समेत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ लंच किया।

यह मुलाकात सिद्धारमैया के सीएम पद से हटने के फैसले के एक दिन बाद हुई है, जिससे डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले दिन में द्विारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। बैठक में कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल, राज्यसभा चुनावों और अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई।

ब्रेकफास्ट के बाद लंच की टेबल पर थमा कर्नाटक का ‘नाटक’, शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता हो गया साफ, खरगे ने की सिद्धारमैया की तारीफ

खरगे, राहुल और वेणुगोपाल के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ने की बैठक



नाश्ते की टेबल पर सिद्धारमैया और शिवकुमार एक साथ मिले

खरगे ने की सिद्धारमैया की तारीफ



बैठक के बाद खरगे ने एक्स पर सिद्धारमैया की तारीफ करते हुए लिखा, सिद्धारमैया के सार्वजनिक जीवन में हमेशा गरिमा, करुणा और सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता झलकती रही है। एक साधारण शुरुआत से लेकर दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने तक, वे समानता, सद्भाव और गरीबों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। कर्नाटक और कांग्रेस पार्टी उनके योगदान के लिए कृतज्ञ हैं।

आज कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक

शिवकुमार दिल्ली में होटल में ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करते नजर आए। कर्नाटक कांग्रेस नेता एचके पाटिल ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को शाम 4 बजे आयोजित की जाएगी। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद पार्टी के भीतर उत्पन्न सभी मुद्दों का समाधान हो चुका है और अब संगठन में एकता बनी हुई है।

सिद्धारमैया के लिए शिवकुमार का नातुक पोस्ट

शिवकुमार ने सिद्धारमैया के लंबे राजनीतिक सफर और उनके योगदान को याद किया है। शिवकुमार ने सिद्धारमैया के नेतृत्व, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की खुलकर सराहना की है।

सिद्धारमैया ने की मांग

कर्नाटक में बेटे के लिए मांगा डिप्टी सीएम का पद
 कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब सिद्धारमैया ने बड़ी डिमांड रख दी है। खबर है कि सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के सामने अपने बेटे और एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग रख दी है। शुक्रवार को राज्यपाल ने थावरचंद गहलोत ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

खबर संक्षेप

पद्मविभूषण तीजन बाई की तबीयत बिगड़ी

रायपुर। छग की प्रसिद्ध पंडवानी लोक गायिका और पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई की तबीयत बिगड़ने के



बाद रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया है। उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उनकी बहु वेणु देशमुख ने बताया कि मेडिकल जांच में उनके फेफड़ों में पानी भरने, निमोनिया होने और बीपी काफी कम होने की बात सामने आई है।

आंधी-बारिश के कहर में 7 लोगों की मौत

कोलकाता। दक्षिण बंगाल के कई जिलों में मौसम बिगड़ गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हो



गया। अलग-अलग हादसों में 6 जिलों में 7 लोगों की मौत हो गई। मौतें मकान गिरने, बिजली गिरने और करंट लगने की घटनाओं में हुई। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

हाईकोर्ट ने याची पर लगाया 2 रुपए जुर्माना

इलाहाबाद। हाईकोर्ट ने 4 दशक पुराने एक मामले में 8000 रुपएकी वसूली से जुड़े मुकदमे में अनोखा जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट ने इसे दोबारा खोलने से इनकार कर दिया और मुकदमेबाजों पर तथ्य को छिपाने औ झूठे दावों के आधार पर अंतरिम आदेश हासिल करने के आरोप में 2 रुपए का अनोखा जुर्माना भी लगाया।

आंदोलन जारी रखने पर अड़े मनोज जरांगे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि मनोज जरांगे पाटिल अपना आंदोलन वापस ले लेंगे। मनोज विरोध प्रदर्शन पर अडिग हैं। सरकार मराठों के दर्द को नहीं समझती। जरांगे ने कहा वे अधूरी मांगों को लेकर 30 मई से जालन में अनशन शुरू करेंगे।

रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था पर उठे फिर सवाल दुरंतो एक्सप्रेस के टॉयलेट में बर्तन साफ करता मिला आईआरसीटीसी का स्टाफ

सफाई व्यवस्था और क्वालिटी पर लोग नाराज

एजेंसी ► नई दिल्ली

रेलवे और आईआरसीटीसी समय-समय पर यात्रियों को बेहतर सुविधा और साफ-सुथरा खाना देने के दावे करते रहते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने एक बार फिर रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में आईआरसीटीसी का एक कर्मचारी ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धोता हुआ



दिखाई दे रहा है। वीडियो के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है और कई यूजर्स रेलवे की सफाई व्यवस्था और खाने की क्वालिटी पर सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन का है।

एजेंसी ► कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध घुसपैठियों की पहचान और कार्रवाई के लिए राज्यभर में 11 होलिडिंग सेंटर स्थापित किए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन केंद्रों में फिलहाल 335 संदिग्ध लोगों को रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी कार्रवाई राज्य की ‘डिटेक्ट, डिलीट और डिपोट’ नीति के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इन केंद्रों में कुल 335 लोग मौजूद हैं, जिनमें 148 पुरुष, 99 महिलाएं और 88 बच्चे शामिल हैं। इन सभी की पहचान और दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया जारी है। राज्य गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि विदेशी नागरिकों को तब तक रखने के लिए ढांचा तैयार किया जाए।

सीमा पर मची भगदड़



बंगाल में अवैध प्रवासी इस तरह भागते दिखाई दे रहे

दस्तावेजों की जांच-पड़ताल की जा रही

बंगाल सरकार और प्रशासन ने कथित अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए अभियान तेज कर दिया है। बसीरहाट इलाके के हाकिमपुर चेकपोस्ट पर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में बांग्लादेशी पुरुष और महिलाएं पहुंची थीं। इनमें कई लोग ऐसे बताए जा रहे हैं जो लंबे समय से बंगाल में रह रहे थे। घुसपैठियों को वापस भेजने की बात सामने आने के बाद सीमा पर भीड़ बढ़ गई।

बंगाल में 1 अगस्त से होगी जनगणना

सुवेंदु ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में एक अगस्त से जनगणना शुरू होगी। यह प्रक्रिया अगले साल फरवरी के अंत तक चलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस जनगणना का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। अधिकारी ने राज्य के कुछ हिस्सों में बदलती आबादी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि घुसपैठ की वजह से बंगाल के कई इलाकों का जनसांख्यिकीय ढांचा बदल गया है। उनके अनुसार, बांग्लादेश के साथ लगी 600 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़ नहीं लगी है। इसी खुली सीमा की वजह से घुसपैठ हो रही है, जिससे आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस टीओएफईआई एप का शुभारंभ ‘तंबाकू मुक्त’ माहौल पर जोर

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शुरुआत की

एजेंसी ► नई दिल्ली



केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस2026 के अवसर पर कर्तव्य भवन में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान (टीओएफईआई) एप्लिकेशन के पायलट संस्करण का शुभारंभ किया। इस दौरान तंबाकू मुक्त माहौल बनाने पर जोर दिया।

स्कूलों-कॉलेजों में अच्छा वातावरण बनाएं

टीओएफईआई एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर के स्कूलों और कॉलेजों में तंबाकू मुक्त मानदंडों के कार्यान्वयन और निगरानी को मजबूत करना है। यह स्व-मूल्यांकन और रिपोर्टिंग, अनुपालन की निगरानी, संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक जैसे कार्यों को सुविधाजनक बनाएगा।

केरल विधानसभा में नया विवाद मात्र आधा वंदे मातरम गाने पर सरकार पर ‘भड़के’ राज्यपाल

एजेंसी ► तिरुवनंतपुरम

केरल में नई विधानसभा में काम के पहले दिन पर वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार और लोक भवन में यह टकराव माना जा रहा है। राज्यपाल के संबोधन से पहले यह घटना सामने आई। केरल पुलिस बैड ने वंदे मातरम का केरल शुरुआती हिस्सा बजाया। लोक भवन ने पूरा राष्ट्रगीत बजाने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने इस निर्देश को अस्वीकार कर दिया।



केवल शुरुआती हिस्सा बजाया

सरकार ने केवल शुरुआती हिस्सा बजाने की पुरानी परंपरा का पालन किया। राजनीतिक गलियारों में इसे सरकार और लोक भवन के बीच आने वाले समय में मुश्किल संबंधों का संकेत माना जा रहा है। यह टकराव पहले दिन ही हुआ।



उपराष्ट्रपति ने जारी किया स्मारक डाक टिकट, 5 पहले शुरू

एजेंसी ► बेंगलुरु

देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को ‘द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन’ के 45 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 5 राष्ट्रीय पहलों की शुरुआत की और एक स्मारक डाक टिकट का भी अनावरण किया। यह कार्यक्रम बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया। जिन 5 नई पहलों की शुरुआत हुई है उनमें यूथ करियर एक्सीलेंस प्रोग्राम, फैक्टली ऑफ इंटरनै नॉलेज सिस्टम्स, आर्ट ऑफ लिविंग इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इनक्यूबेशन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन कॉन्शियसनेस स्टडीज एंड ह्यूमन पोर्टेंशियल और इको शांति शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और मानव विकास को बढ़ावा देना है।



ज्ञान, ध्यान और संगीत को बताया अहम

राधाकृष्णन कहा कि 192 देशों द्वारा वर्ल्ड मेंडेटेशन दे घोषित किया गया। ध्यान अब स्वस्थ, खुशहाल और तनावमुक्त जीवन के लिए जरूरी माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि 3 चीजें ज्ञान, ध्यान और संगीत साथ रहें।

नियुक्ति की बात पर लंबे समय से चल रही बहस

रिटायरमेंट के बाद न्यायाधीशों को विभिन्न सरकारी संस्थाओं में नियुक्त किए जाने को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। आलोचकों का तर्क है कि ऐसी नियुक्तियां न्यायिक स्वतंत्रता और हितों के टकराव को लेकर सवाल खड़े कर सकती हैं। सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, लोकपाल, भारतीय विधि आयोग और भारतीय प्रेस परिषद जैसी संस्थाओं में भी की जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन न्यायाधीशों का सेवा रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है, उन्हें नियुक्त करने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि, सक्षम और प्रतिष्ठित जजों पर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि कई बार सेवानिवृत्त न्यायाधीश खुद भी नई नियुक्तियों स्वीकार नहीं करते और मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) का काम करना पसंद करते हैं, जिसे अधिक लाभदायक माना जाता है।

उत्तर प्रदेश-बिहार समेत 4 राज्यों में एनआईए का 12 ठिकानों पर छापा संदिग्धों से डिजिटल उपकरण जब्त किए अब सबूतों की फोरेंसिक जांच की जा रही

आतंकी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई

एजेंसी ► नई दिल्ली



राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार राज्यों में 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उत्तर प्रदेश में 5, राजस्थान में 2, बिहार में 2 और महाराष्ट्र में 3 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। स्थानीय पुलिस की मदद से कई संदिग्धों से पूछताछ की। अहम दस्तावेजों के

हमले और विस्फोट की साजिश थी

पाकिस्तान स्थित नेटवर्क ने भारत-पाकिस्तान सीमा के रास्ते डोन के माध्यम से हथियारों और विस्फोटक सामग्री की बड़ी खेप भेजी थी। इन हथियारों और आईईडी का इस्तेमाल हिस्सों में बड़े आतंकी हमलों और विस्फोटों के लिए किया जाना था। यदि यह साजिश सफल होती तो भारी जान-माल का नुकसान हो सकता था।

बेंगलुरु में ‘आर्ट ऑफ लिविंग’ का समापन समारोह

शिक्षा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और मानव विकास को दिया जा रहा बढ़ावा

देश-विदेश से 678 विशिष्ट अतिथि शामिल रहे

यह कार्यक्रम एक महीने तक चले समारोह का समापन था। इसमें देश-विदेश से 678 विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। इनमें राजनीतिक नेता, उद्योगपति, खिलाड़ी, शिक्षाविद, धार्मिक गुरु, राजनयिक, कलाकार और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। राधाकृष्णन ने कहा कि आज हम वब उत्सव मना रहे हैं जिसने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव को बताया प्रेरणादायी

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज संघर्ष और अनिश्चितता के दौर में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर लोगों को शांति, जागरूकता और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव की सादगी और व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मुस्कान, विनम्रता और स्नेह हर किसी के दिल को छूता है। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी मानवता और विनम्रता है।

अमेरिका का दावा, ईरानी नेतृत्व झुका

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है

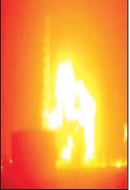
एजेसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिका ने दावा किया है कि आर्थिक दबाव के कारण ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने की शर्तों पर बातचीत के लिए तैयार हो गया है। दोनों देशों के बीच 60 दिनों के अस्थायी युद्धविराम का मसौदा तैयार है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा।

खबर संक्षेप

बेजोस की कंपनी का रॉकेट लॉन्चपैड पर फटा

फ्लोरिडा। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लैन रॉकेट



फ्लोरिडा में टेस्टिंग के दौरान लॉन्चपैड पर फट गया। हादसा गुरुवार को केप कैनावरल में ग्रीनलाइट स्टेटिक फायर टेस्ट के दौरान हुआ। घटना का वीडियो लाइव स्ट्रीम में रिकॉर्ड हुआ, जिसमें रॉकेट तेज धमाके के साथ आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। ब्लू ओरिजिन ने कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई। कंपनी के मुताबिक, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। हम और आगे मेहनत करते रहेंगे।

आज से भारत दौरे पर म्यांमार के राष्ट्रपति मिन नई दिल्ली।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 2 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय



आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि मिन दिल्ली, बोधगया तथा मुंबई का दौरा करेंगे। 1 जून को उनकी पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अहम बैठक होगी, दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी साथ होंगे।

यूएस स्पेलिंग बी के चैंपियन बने श्रेय पारिख

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल



स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतिযোগिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

युद्धविराम मांगने पर इस्लामाबाद को किया मजबूर

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मात्र 4 दिनों में पाकिस्तान घुटनों पर पड़ा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति, आधुनिक सैन्य क्षमता और तीनों सेनाओं के उत्कृष्ट तालमेल का जीवंत उदाहरण था।

60 दिनों का अस्थायी समझौता तैयार, राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी का इंतजार

अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा

होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोलेंगे: वेंस



मोजतबा खामनेई

डोनाल्ड ट्रंप



अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है।

ट्रंप की सैन्य कार्रवाई रंग लाई: बेसैंट



अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

समझौते में ये अहम 6 बिंदु शामिल

- 60 दिन का सीजफायर और बातचीत
- होर्मुज जलडमरूमध्य खुलेगा
- परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत
- प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज संपत्तियां
- लेबनान युद्ध पर भी फोकस
- ईरान के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश पैकेज

ट्रंप की सख्त शर्तें

स्कॉट बेसैंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं- इनमें ईरान को अपना सारा संवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा। ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक ईरान इन शर्तों को नहीं मानता तब तक समझौता नहीं होगा।

लेबनान में युद्ध का दायरा बढ़ा

लितानी नदी के उत्तर तक पहुंची इजराइली सैन्य टुकड़ियां



दक्षिणी लेबनान में इजराइल ने अपने सैन्य अभियान का दायरा और बढ़ा दिया है। इजराइल के पीएम बेन्जामिन नेतन्याहु ने गाजा पट्टी के 70% हिस्से पर सैन्य नियंत्रण लेने का आदेश दिया है। इजराइली सैनिक अब लितानी नदी के उत्तर की ओर बढ़ते हुए जावतार अल-शरकियाह, मेफडाउन और जवतार अल-मरबियाह जैसे क्षेत्रों तक पहुंच गए हैं। ये इलाके दक्षिणी लेबनान के दूसरे सबसे बड़े शहर नबातीह के दक्षिण-पूर्व में स्थित हैं। यह कार्रवाई इजराइल द्वारा घोषित 10 किलोमीटर गहरे 'यलो सिटीयोरिटी जोन' से आगे बढ़कर की जा रही है, जिससे सैन्य अभियान के विस्तार के संकेत मिल रहे हैं।

क्वाड को लेकर विदेश मंत्रालय बोला किसी के खिलाफ नहीं, लोगों की भलाई करना हमारा एजेंडा

2 हजार 680 से ज्यादा लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं राष्ट्रीयता का प्रमाणीकरण करने के लिए सभी के नामों की सूची सौंप दी



रणधीर जायसवाल

भारत-चीन सीमा विवाद पर लगातार चर्चा कर रहे

जायसवाल ने कहा कि कड़ा कश्मीर पर किसी तौरसे देश की टिप्पणी पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि जहां तक भारत-चीन के बीच सीमा संबंधी मामलों को लेकर मंत्रणा और समन्वय को लेकर गठित किए गए डब्ल्यूएमसीसी तंत्र की एक ताजा बैठक का मामला है। तो उसमें दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने परिसीमा, भारत-चीन सीमा से जुड़े मुद्दों, सीमा सहयोग-प्रबंधन के अलावा सीमा-पार बहने वाली नदियों के मामले में जरूरी तंत्र की जल्द अगली बैठक बुलाने पर जोर दिया है। चीन की राजधानी बीजिंग में होने वाली विशेष प्रतिनिधियों के स्तर की अगली वार्ता को लेकर भी साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। बला दें, कश्मीर को लेकर बीजिंग में चीन-पाकिस्तान के राष्ट्रपदियों की बैठक के बाद एक संयुक्त बयान कहा था कि कश्मीर मामले का समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सिद्धान्तों के तहत हो।

जल्द होगी अवैध बांग्लादेशियों की वापसी

भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के मामले को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी अवैध नागरिकों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। खासतौर पर बांग्लादेश के मामले में वर्तमान में 2 हजार 680 से ज्यादा लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। जिनमें हम हर हाल में वापस भेजेंगे। इनकी राष्ट्रीयता का प्रमाणीकरण करने के लिए सभी के नामों की सूची भारत ने अपने निकट पड़ोसी देश को सौंप दी है। एक बार संबंधित प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम इन लोगों को वापस इनके देश भेज देंगे। मामले को लेकर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौता भी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने भुज में सीमा चौकी जी-7 का उद्घाटन किया, कहा जवानों से की बात, नीम का पौधा भी रोपा

गृह मंत्री ने बताया कि जी-7 कैंड का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह क्षेत्र में सीमा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बनासकांठा में भी एक कैंड स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को बीएसएफ जवानों की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराना है

आम नागरिकों को बीएसएफ की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराया जा रहा एजेसी ►► नई दिल्ली



अमित शाह इंडो-पाक सीमा का जायजा लेते हुए

175 करोड़ की लागत से जी-7 का निर्माण

गृह मंत्री ने बताया कि जी-7 कैंड का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह क्षेत्र में सीमा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बनासकांठा में भी एक कैंड स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को बीएसएफ जवानों की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराना है।

स्वयं तीन महीने तक निगरानी की

शाह ने कहा कि इस परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान कई जटिल तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सीमा चौकियों के आसपास के क्षेत्र को लगभग 3.75 मीटर ऊंचा किया गया तथा परियोजना की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने स्वयं लगातार तीन महीने तक प्रतिदिन निगरानी की, ताकि सर्वेक्षण और निर्माण कार्य बाधित न हो।

क्रीक इलाका देखा

गृह मंत्री शाह ने हरामी नाला क्षेत्र का दौरा किया। यहां उन्होंने क्रीक इलाके में बोटसे विजिट किया और जेट्टी क्वाड्रंट पर पोथरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बता दें, हरामी नाला गुजरात के रण के कच्छ में सर क्रीक के पास स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा का अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। उथले जलमार्ग, दलदली भूभाग और जटिल क्रीक नेटवर्क के कारण जाएगा। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को बड़ी जिम्मेदारी

सीआईएसएफ महानिदेशक की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ड्रोन-विरोधी प्रशिक्षण और हवाई अड्डों की सुरक्षा पुख्ता करने पर मुख्य जोर

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने सीआईएसएफ के 'उत्तर क्षेत्र' और 'हवाई अड्डा क्षेत्र' की परिचालन तैयारियां, सामरिक रणनीतियां और सुरक्षा व्यवस्थाओं के व्यापक मूल्यांकन के लिए उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न सुरक्षा इकाइयों के कमांडरों ने हिस्सा लिया। अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने, आपातकालीन स्थिति से निपटने की क्षमताओं को



बढ़ाने और अंतः-एजेंसी समन्वय को मजबूत करने पर विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया।

संवेदनशीलता और ड्रोन चुनौतियां जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात जैसे सामरिक रूप से संवेदनशील और अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राज्यों में उभरती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए यह समीक्षा बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आईएनएस सुदर्शनी एंटीगुआ पहुंचा



अटलांटिक महासागर को पार करने का पहला अभियान

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत (एसटीएस) आईएनएस सुदर्शनी लोकप्रान 26 अभियान के तहत ऐतिहासिक अटलांटिक महासागर पार करने के बाद एंटीगुआ पहुंचा। एंटीगुआ और बारबुडा में भारत के मानद महावाणिज्यदूत विजय तिवारी तथा एंटीगुआ और बारबुडा रक्षा बल (एबीडीएफ) के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिगोडियर टेल्बर्ट बेजामिन ने पोत का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा आईएनएस सुदर्शनी द्वारा अटलांटिक महासागर को पार करने का पहला अभियान है, जबकि इससे पहले पोत आईएनएस तरंगिनी वर्ष 2007 में यह उपलब्धि हासिल कर चुका है। केप वेंड्रे के मिडिलेन से एंटीगुआ तक का चरण इस पूरे अभियान का सबसे लंबा और चुनौतीपूर्ण हिस्सा रहा, जो लगातार 19 दिनों तक चला। इस दौरान जहाज मुख्य रूप से पाली की सहयात्रा से संभालित होता रहा, जिसमें पारंपरिक नाविक कौशल, अग्रुपेशन और सजुद्ध सहनशक्ति का उत्कृष्ट दर्शन मिला।

पीयूष गोयल ने 50 से अधिक बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक की, कहा

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर 'उत्साहजनक प्रगति', दोनों देश अंतरिम समझौते के बेहद करीब

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय व्यापार वार्ता पर 'उत्साहजनक जानकारी' देते हुए आश्वासन दिया कि भारत-अमेरिका अंतरिम समझौता जल्द होने वाला है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित अमेरिकी-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसएफ) में प्रमुख उद्योग एवं व्यापार जगत के 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। गोयल ने गोलमेज बैठक में भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, निवेश एवं आपूर्ति शृंखला साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।



अमेरिकी बिजनेस लीडर्स से चर्चा करते केंद्रीय मंत्री

सफ़ाई-चेन पार्टनरशिप को गहरा करेंगे

पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, सुधार-आधारित कारोबारी माहौल और वैश्विक निवेशकों के लिए बढ़ते अवसरों को रेखांकित किया।

1 जून को भारत आएगा अमेरिकी दल

मंत्री गोयल ने जोर दिया कि निवेशकों का विश्वास, कारोबार की स्थिरता और मजबूत नियामकीय माहौल भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका का एक दल एक से चार जून के बीच भारत की यात्रा पर आएगा। इस दौरान अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप दिया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों एवं सीमा शुल्क सुगमता जैसे मुद्दों पर वार्ता आगे बढ़ाई जाएगी।

कई उद्योग दिग्गजों से मिले

गोयल ने उद्योग जगत के कई प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकों की कीं। उन्होंने मॉर्गन स्टैनली के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेड पिक, वारबर्ग पिकस के चेयरमैन विप केय, एमसीएल फार्मस्यूटिकल्स के सह-संस्थापक एवं सह-सीईओ चिट्टू पटेल और मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मोबाख के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार किया।

अमेरिका भारत की क्षमता पहचानता है: गोर



भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा है कि अमेरिका को भारत की क्षमता को जानना है और दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत बनाना चाहता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच टेक्नालॉजी, फिटिकल ट्रेडिन्ग और व्यापार से जुड़े विषयों में समान हितों पर जोर देते हुए भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर बताया है। सर्जियो गोर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का सत्ता केंद्रों की पहचान कर रहा है। भारत के पास जो क्षमता है, हम वह जानते हैं। हम भारत का विकास देख रहे हैं। हम इस साझेदारी को बढ़ा रहे हैं और इस साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।



नाजुक आँखों को रखें
STRAIN FREE

पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
#VocalforLocal

24x7 Helpline: 8198822222 • www.eyemantra.com • Available at all leading medical stores

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

• Eye Strain • Eye Dryness • Eye Tiredness • Eye Freshness • Eye Cleanliness

Dr. Juneja's
EYE Mantra
Ayurvedic Eye Relief Drops

खबर संक्षेप

सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते' का मंचन आज

भोपाल। 15 डे प्रोडक्शंस द्वारा आयोजित समकालीन नृत्य कार्यशाला में तैयार नाट्य प्रस्तुति 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते' का मंचन आज शनिवार को सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में शाम 7 बजे किया जाएगा। इस प्रस्तुति में कलाकार समकालीन नृत्य के माध्यम से नारी शक्ति, संवेदनाओं एवं समाज में महिलाओं की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करेंगे।

90 के दशक के सुपर हित गीतों पर आधारित कराओके नाइट कल

भोपाल। गंधर्व कल्चर एंड इवेंट द्वारा हिन्दी सिनेमा के 1990 के दशक के गीतों पर केन्द्रित 'कराओके नाइट- म्यूजिकल ईव' का आयोजन 31 मई, रविवार को उन्नति भवन, मिनार रसीडेंसी में सायं 6 बजे से किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 1990 के सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति कराओके के साथ दी जाएगी। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि भोपाल में संगीत का बहुत अच्छा वातावरण है। यहां एक से बढ़कर एक गायक कलाकार हैं और उतने ही अच्छे सुनने वाले भी हैं। हमारा प्रयास है कि शहर के गायक कलाकारों को प्रतिष्ठित मंच प्रदान कर निरन्तर संगीत के सार्थक आयोजन किये जा सकें। इस कार्यक्रम में भी शहर के प्रतिभावान गायकों द्वारा 1990 के दशक के सुप्रसिद्ध गायकों कुमार सानू, उदित नारायण, सोनू निगम, रूपकुमार राठौर, अलका याज्ञनिक, अनुराधा पौडवाल, साधना सरगम इत्यादि द्वारा गाए सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति दी जा रही है।

सुरमाला म्यूजिकल ग्रुप में 31 को गुंजेंगे एवरग्रीन सुपरहिट गीत

भोपाल। सुरमाला म्यूजिकल ग्रुप में एवरग्रीन सुपरहिट सांस 31 मई को गुंजेंगे। राजधानी के एमपी नगर जौन 2 स्थित केसी पैलेस में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में शहर के 30 से अधिक शौकिया गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। ग्रुप संचालक सुरगमा एवं मनीष सक्सेना ने बताया कि दोपहर 3 बजे से होने वाले कार्यक्रम के लिए कई दिन से सभी गायक लगातार प्रैक्टिस में जुटे हुए हैं ताकि वे फाइनली अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दे सकें। उन्होंने बताया उनके इस ग्रुप में न केवल राजधानी बल्कि इंदौर के कुछ प्रतिष्ठित कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

मानव संग्रहालय में कुचिपुड़ी ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 1 जून से

भोपाल। मानव संग्रहालय द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन एवं युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से 1 जून से 15 जून तक 15 दिवसीय प्रोडक्शन ऑरिएंटेड समर वर्कशॉप कुचिपुड़ी डांस का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक संग्रहालय परिसर में आयोजित होगी। कार्यशाला का निर्देशन देश की प्रतिष्ठित कुचिपुड़ी नृत्यांगना एवं संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गुरु वनश्री राव द्वारा किया जाएगा। कार्यशाला में उनके साथ वाशिम राजा, सहायक प्रशिक्षक के रूप में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस विशेष कार्यशाला में 10 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। संग्रहालय के निदेशक प्रो.डॉ.अमिताभ पांडे ने बताया कि, कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को कुचिपुड़ी नृत्य की मूलभूत तकनीकी, अभिनय, भाव-भंगिमा, ताल, लय तथा मंचीय प्रस्तुति की गहन जानकारी प्रदान करना है। साथ ही एक संपूर्ण नृत्य प्रस्तुति तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान करना है।

लोग हर मोड़ पर रुक-रुक के संभलते क्यों हैं... , गजलों की खुमारी में डूबी बज्म-ए-गजल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

लोग हर मोड़ पर रुक-रुक के संभलते क्यों हैं, इतना डरते हैं तो फिर घर से निकलते क्यों हैं... जैसे ही मशहूर शायर राहत इंदौरी की इन पंक्तियों को गायक, संगीतकार और कंपोजर टी. एस. धर्मेश ने अपनी गहरी और असरदार आवाज में छेड़ा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी का स्वर्ण जयंती सभागार तालियों और वाह-वाह की गूंज से भर उठा। सुर, शायरी और एहसासों से सजी बज्म-ए-गजल की यह शाम श्रोताओं के लिए लंबे समय तक याद रहने वाली बन गई।

टीएस धर्मेश की आवाज़, शायरी और सुरों ने रचा अहसासों से भरा यादगार समां

तुम्हारे नाम की एक खूबसूरत शाम हो जाए....

इस खास संगीत संध्या में टी. एस. धर्मेश ने अपनी दिलकश अदायगी और संजीदा प्रस्तुति से गजलों को सिर्फ गाय नहीं, बल्कि हर शेर को महसूस करवाया। कार्यक्रम की शुरुआत मशहूर शायर बशीर बद्र की रूमानि पंक्तियों कभी यूं भी आ मेरी आंख में कि मेरी नजर को खबर न हो... और आसमान से चांद उतरे...

तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो...
कार्यक्रम में तुमको देखा तो ये खयाल आया, तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो, दिल ढूँढता है फिर वही फुसंत के रात दिन और एक अकेला इस शहर में... जैसी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को पुरानी यादों और भावनाओं की दुनिया में पहुंचा दिया। जगजीत सिंह की अमर नज्म सरकती जाए है रूख से नक्राब आहिस्ता-आहिस्ता और कल चौदहवीं की रात थी, शब भर रहा चर्चा तेरा की प्रस्तुति ने समा बांधा।

बज्म-ए- गजल में प्रस्तुति देते कलाकार ।

सदानीरा समागम में नाटक, डॉक्यूमेंट्री और जल विमर्श ने जगाई पर्यावरण चेतना

रंग-बिरंगे परिधान, जीवंत संगीत और सामाजिक सरोकारों ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सदानीरा समागम के तीसरे दिन रंगमंच की एक अनूठी और प्रयोगशील प्रस्तुति 'लघुशंका नगर' ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस नाटक ने मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों पर तीखा व्यंग्य करते हुए दर्शकों को गंभीर चिंतन के लिए प्रेरित किया।

समय के प्रश्नों से संवाद स्थापित करता नाटक

वहीं, बहिरंग में मंचित 'लघुशंका नगर' मूल रूप से अमेरिकी नाटककार ग्रेग कोटिस के प्रसिद्ध व्यंग्यात्मक संगीतप्रधान नाटक 'यूरिनटाउन' पर आधारित है। नाटक ने दर्शकों के भीतर वर्तमान सामाजिक यथार्थ को लेकर कई प्रश्न खड़े किए। प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह स्थापित करने का प्रयास किया कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, मनुष्य और समय के प्रश्नों से संवाद स्थापित करने की एक सशक्त कलात्मक प्रक्रिया है।

सदानीरा कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कलाकार ।

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग

जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता विषयक प्रवाह फिल्म समारोह में डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम के दौरान 'प्लास्टिक ओशियन' और 'गंगा रिवर' नामक डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। 'प्लास्टिक ओशियन' में समुद्री और नदियों में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

71 प्रतिशत भाग जल आच्छादित, फिर भी जल संकट

जलपुराण विषय पर एक विमर्श आयोजित किया गया जिसमें श्रीराम तिवारी ने कहा कि समाज में जल के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यकता है। आरोग्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि मानव की प्रवृत्ति प्रकृति और पर्यावरण के महत्व को समझने के बजाय उसका निरंतर दोहन करने की रही है। पृथ्वी का 71 प्रतिशत भाग जल से आच्छादित होने के बावजूद आज जल संकट गहराता जा रहा है।

नदी विषयक गीतों की प्रस्तुतियों से सजा पूर्व रंग

कार्यक्रम के पूर्व रंग में जानकी बैड ने नदी विषयक गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोकधुनों और संवेदनशील गीतों से सजे इस संगीतात्मक वातावरण ने समागम के सांस्कृतिक स्वरूप की ओर अधिक जीवंत बना दिया।

मानव संग्रहालय की स्वर्ण जयंती 'पूनम-42' में प्रस्तुति देंगे संतूर वादक पं. राहुल शिवकुमार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मानव संग्रहालय द्वारा अपने स्वर्ण जयंती समारोह वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रतिष्ठित शास्त्रीय प्रस्तुतियों की श्रृंखला 'पूनम-42' का आयोजन 30 मई को किया जा रहा है। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर होने वाला यह कार्यक्रम संगीत प्रेमियों के लिए बेहद खास है। संग्रहालय के निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे के अनुसार श्रृंखला की शुरुआत वर्ष 1992 में देश के महान संतूर वादक पं. शिवकुमार शर्मा की ऐतिहासिक प्रस्तुति से हुई थी। इस स्वर्ण जयंती वर्ष में, उनके सुपुत्र और प्रख्यात संतूर वादक पं. राहुल शिवकुमार शर्मा अपने पिता की इसी महान संगीतमय विरासत को आगे बढ़ाते हुए भोपाल के मंच को सुशोभित करेंगे।



शास्त्रीय गायन की सुमधुर लहरियों से सजेगी पूर्वरंग की संध्या

कार्यक्रम की मुख्य कड़ियों के रूप में पूर्वरंग में शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति होगी, जिसमें साई ऐश्वर्य महाशब्दे (पुणे) का सुमधुर गायन होगा। संगीतकारों के परिवार से ताल्लुक रखने वाले साई ऐश्वर्य, संगीत मातर्दों की परंपरा से जुड़े हैं।



फिटनेस ग्रुप की लेडीज ने पूल पार्टी में लिया कूलनेस का मजा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नौतपा की तपिश में फिटनेस ग्रुप की लेडीज ने पूल पार्टी का आयोजन किया। भीषण गर्मी और नौतपा की तेज तपिश के बीच शहर की फिटनेस ग्रुप से जुड़ी महिलाओं की इस शानदार पूल पार्टी में गर्मी से राहत पाने के साथ जमकर मस्ती की। इस खास आयोजन में महिलाओं ने पूल में उतरकर डांस, गेम्स और म्यूजिक के साथ यादगार

पल बिताए। पार्टी के दौरान अलग-अलग प्रकार के मजेदार गेम्स खेले गए, वहीं महिलाओं ने पूल में रीलस बनाकर इस पल को और भी खास बना दिया। रंग-बिरंगे आउटफिट्स और उत्साह से भरे माहौल ने पार्टी में चार चांद लगा दिए। इसका आयोजन पार्टी हाउस की रिया ठाकुर और नीता पासपुल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नेहा, रितु, गरिमा, सोनल, शिखा और सुप्रिया सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं।

कायस्थम करेगा 10वीं, 12वीं के 45 मेधावी चित्रांश विद्यार्थियों को सम्मानित

भोपाल। मध्य प्रदेश कायस्थ समाज के 45 मेधावी विद्यार्थियों को शनिवार 30 मई को दुष्यंत संग्रहालय में सुबह 10.30 बजे से आयोजित समारोह में सम्मानित करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस एवं मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव इस साल की 10 वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले 45 टॉपर्स चित्रांश विद्यार्थियों को मोटिवेट करेंगे। इसमें 10वीं बोर्ड के 31 और 12वीं बोर्ड के 14 विद्यार्थियों का चयन सम्मान के लिए किया गया है। जम्मू की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 98% अंक लेकर परचम लहराने वाली आराध्या खरे भी सम्मान लेने भोपाल आ रही है।

23 मई का दिन बना बेहद यादगार भोपाल की मुस्कान ने एआर रहमान के साथ दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शहर की युवा गायिका मुस्कान पांडे के लिए 23 मई का दिन बेहद खास और यादगार बन गया, जब उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान के साथ मंच साझा किया। आगामी फिल्म 'पेड्डी' के प्रमोशनल इवेंट के लिए पूरी टीम भोपाल पहुंची थी, जहां फिल्म के संगीतकार एआर रहमान भी मौजूद रहे। इसी दौरान मुस्कान पांडे ने रहमान की टीम के साथ बतौर वोकलिस्ट प्रस्तुति दी और कई गीत गाए।

मुस्कान ने बताया कि परफॉर्मेंस से पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान एआर रहमान ने उनसे बातचीत की और कहा, ड्रीम बिग, जिंदगी में सबकुछ संभव है। रहमान के ये शब्द मुस्कान के लिए प्रेरणा बन गए। उन्होंने कहा कि यह पल उनके



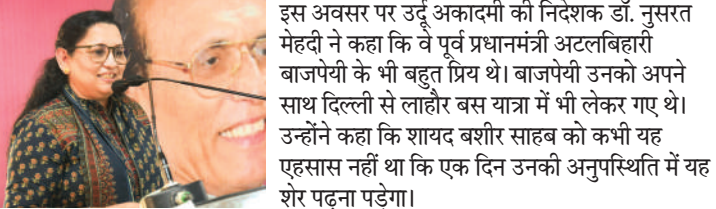
जीवन के सबसे बड़े और भावुक क्षणों में से एक रहेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध गायक मोहित चौहान से भी मुस्कान की मुलाकात हुई। बातचीत के दौरान मोहित चौहान ने मुस्कान से हनुमान चालीसा सुनाने के लिए कहा, जिसके बाद दोनों के बीच संगीत और अध्यात्म को लेकर चर्चा भी हुई।

दिल्ली से लाहौर बस यात्रा में साथ लेकर गए थे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए.... डॉ. बशीर बद्र को याद करते हुए उनकी लिखी इसी नज्म ने सभागार में बैठे हर एक साहित्य प्रेमी की आंख नम कर दी। पद्मश्री सम्मान से अलंकृत डॉ. बशीर बद्र का 28 मई को निधन हो गया। शुरुवार को मप्र उर्दू अकादमी के कार्यालय में बशीर बद्र साहब के श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में शायरों, साहित्यकारों और बद्र साहब के चाहने वालों ने सहभागिता की।

उन्हें अहसास ही नहीं होगा,उनकी याद में उनका यह शेर पढ़ा जाएगा



बद्र की शायरी ने सत्यम- शिवम- सुंदरम का प्रतिबिंब दिखाई देता है

हेमंत मुक्तिबोध ने कहा कि बशीर बद्र ने जो भी लिखा, उसका हर शब्द किसी न किसी संदेश से भरा होता था। उन्होंने कहा कि उनकी शायरी में सत्यम- शिवम-सुंदरम का प्रतिबिंब दिखाई देता है और उनकी काव्य-शैली अत्यंत विशिष्ट थी।



पूरा जीवन किया शायरी को समर्पित

डॉ. विकास दवे ने कहा कि बशीर बद्र ने अपना पूरा जीवन शायरी को समर्पित कर दिया और उन्हें लोगों का जो प्रेम मिला, वह बहुत कम लोगों को नसीब होता है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी पुरस्कार से बढ़कर है।

पद्मश्री बशीर बद्र की याद में दुष्यंत संग्रहालय में श्रद्धांजलि सभा आज

भोपाल। दुष्यंत कुमार संग्रहालय में 30 मई शाम 5 बजे, भोपाल की साहित्यिक - सांस्कृतिक संस्थाएं पद्मश्री बशीर बद्र को याद करेंगी और अर्पित करेंगी अपनी भावांजलि। इस श्रद्धांजलि सभा में दुष्यंत कुमार संग्रहालय, मप्र लेखक संघ, वनमाली सुजन पीठ, मप्र लेखिका संघ, हिन्दी भवन, अभिनव कला परिषद, प्रभात साहित्य परिषद, कला मंदिर अखिल भारतीय साहित्य परिषद, वरिष्ठ नागरिक मंच, अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच और अन्य सभी साहित्यिक- सांस्कृतिक संस्थाएं हिंदी और उर्दू के शायर डॉक्टर बशीर बद्र को याद करेंगे।